दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
सिद्धार्थनगर
रविवार, 31 मई 2026
वर्ष: 13 अंक : 162 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बेड से जुड़ी ये गलतियां रोक सकती ...8

एनडीए सरकार का बड़ा दांव! जून में होगा मोदी कैबिनेट का विस्तार, नए चेहरों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 15 से 18 जून के बीच बड़ा फेरबदल होने की संभावना है। संकेत मिल रहे हैं कि महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा नेतृत्व द्वारा राजनीतिक और संगठनात्मक पुनर्गठन की तैयारियों के तहत कई राज्य मंत्रियों सहित एक दर्जन से अधिक मंत्रियों को हटाया या स्थानांतरित किया जा सकता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कम से कम दो मंत्रिमंडल मंत्रियों और तीन राज्य मंत्रियों के सरकार से बाहर होने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ मंत्रिमंडल मंत्री को अगले कुछ दिनों में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दक्षिणी राज्य में भाजपा का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस फेरबदल में 10–12 मंत्रालयों के नेतृत्व में भी बदलाव होने की उम्मीद है, जिसमें कई मंत्रियों को अलग–अलग विभागों में स्थानांतरित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल से एनडीए के सहयोगी दलों का प्रतिनिधित्व भी मजबूत होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, जनता दल यूनाइटेड, तेलुगु देशम पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी पार्टियों को अतिरिक्त मंत्री पद मिल सकते हैं। हालांकि गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दलों को राज्य मंत्री स्तर पर प्रतिनिधित्व मिल सकता है, वहीं एक या दो नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। खबरों के मुताबिक, भाजपा इन बदलावों को अंतिम रूप देते समय क्षेत्रीय संतुलन, जातिगत प्रतिनिधित्व और चुनावी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

यह फेरबदल भाजपा के भीतर चल रहे संगठनात्मक परिवर्तनों के बीच हुआ है। हाल ही में, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश का भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह, हर्ष मल्होत्रा घ्को दिल्ली भाजपा का नया अध्यक्ष बनाया गया है।

सूत्रों के अनुसार, इस फेरबदल के परिणामस्वरूप 10 से 12 मंत्रालयों में बदलाव हो सकते हैं। समीक्षाधीन प्रमुख विभागों में रेलवे, वित्त, कॉर्पोरेट मामले, कोयला, वस्त्र, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास, कृषि, जल शक्ति, पर्यावरण, सहकारिता, मत्स्य पालन और विधि विभाग शामिल हैं। कुछ मंत्रालय, जिन्हें वर्तमान में अतिरिक्त जिम्मेदारियों के तहत संभाला जा रहा है, उन्हें समर्पित कैबिनेट मंत्री मिल सकते हैं। भाजपा द्वारा कर्नाटक में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की भी संभावना है। खबरों के मुताबिक, मौजूदा कैबिनेट मंत्री राज्य में पार्टी इकाई का कार्यभार संभाल सकते हैं। पार्टी मणिपुर के लिए भी नए भाजपा अध्यक्ष की घोषणा की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि भाजपा राज्यसभा के माध्यम से मणिपुर के लिए कैबिनेट प्रतिनिधित्व की सुविधा प्रदान कर सकती है। राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा करने वाले कई मंत्रियों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। इसके अलावा, सरकार में युवा चेहरों को अवसर देने के प्रयासों के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के नेताओं की समीक्षा की जा रही है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने यह भी संकेत दिया है कि भाजपा मोर्चा के कुछ नेता अपने संगठनात्मक अनुभव और प्रदर्शन के आधार पर पहली बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसी भी अटकलें हैं कि बिहार में चुनावी संतुलन बनाए रखने के लिए एक कैबिनेट मंत्री को उसी सामाजिक वर्ग के किसी अन्य नेता से बदला जा सकता है।

जून में उपभोक्ताओं को लगेगा बड़ा झटका

10 प्रतिशत ज्यादा देना होगा बिजली बिल

लखनऊ। बढ़ती महंगाई की मार से परेशान बिजली उपभोक्ताओं को जून में 10 प्रतिशत ज्यादा बिल भी देना होगा। भीषण गर्मी के चलते मई में कहीं अधिक बिजली का उपभोग होने से उपभोक्ताओं का वैसे ही जून में बढ़कर बिल आना था। अब बिजली कंपनियां मार्च माह के ईंधन अधिभार शुल्क(फ्यूल सरचार्ज) के लिए मई के बिल के साथ जून में सभी श्रेणियों के लगभग 3.73 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं से 1610 करोड़ रुपये अतिरिक्त वसूली भी करेंगी। इस संबंध में पावर कारपोरेशन ने आदेश जारी किया है। उपभोक्ताओं को जुलाई में भी जून के बिल के साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। चूंकि विद्युत नियामक आयोग ने टैरिफ आदेश में विद्युत खरीद लागत 4.94 रुपये प्रति यूनिट अनुमोदित किया है और पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने 5.94 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद दिखाते हुए उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार डाला है, इसलिए विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से अधिभार शुल्क के तौर पर बिजली के बिल में की गई 10 प्रतिशत वृद्धि पर रोक लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि बिजली

कंपनियों ने विद्युत उत्पादन कंपनियों से दो वर्ष पुराने बकाए को जोड़ते हुए बिल तैयार कराया है। इसमें पुराने बकाए का 1400 करोड़ रुपये शामिल है। संबंधित आदेश में लिखा है कि अधिभार 20 प्रतिशत वसूला जाना चाहिए, जिससे यह लगता है कि जुलाई में भी उपभोक्ताओं से 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार वसूलना जा सकता है। वर्मा ने आयोग से मांग की है कि ईंधन अधिभार वसूलने पर रोक लगे। उन्होंने कहा है कि मार्च में महंगी बिजली खरीदने की विस्तृत जांच हो। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 51 हजार करोड़ रुपये सरप्लस निकल रहा है। ऐसे में ईंधन अधिभार बढ़ाने की स्थिति में उपभोक्ताओं पर भार डालने के बजाय उसे सरप्लस से ही समायोजित (एडजस्ट) किया जाए।

कोई नुकसानदायक तो हिंसा...

माफियाओं पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अहिंसा मानव जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र और समाज के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए बल का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल सुरक्षित वातावरण में ही फल–फूल सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा ही मानवता का सच्चा धर्म होना चाहिए। हालांकि, यदि कोई देश और समाज के लिए खतरा बन जाता है, तो अहिंसा काम नहीं कर सकती। ऐसी परिस्थितियों में हिंसा आवश्यक हो जाती है। एक प्रसिद्ध संस्कृत वाक्य का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथावैच, जिसका अर्थ है कि अहिंसा सर्वोच्च गुण है, लेकिन धर्म और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में बल का प्रयोग भी उतना ही उचित है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति ही विश्व में उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता। उन्होंने आगे कहा कि यह सिद्धांत देश के शत्रुओं से निपटने के दौरान देश की सशस्त्र सेनाओं की कार्रवाई में परिलक्षित होता है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा को विकास से जोड़ते हुए कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं केवल सुरक्षित वातावरण में ही प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकती हैं। 2017 से पहले, इसी उत्तर प्रदेश में अक्सर कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफियाओं और अपराधियों ने आम नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया था। आदित्य ने कहा कि जिस प्रकार सशस्त्र बल हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार नागरिकों का भी यह कर्तव्य है कि वे राष्ट्र की रक्षा करने वाले सैनिकों का सम्मान करें। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी उपस्थित थे। स्मारक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सेवामुक्त नौसैनिक युद्धपोत आईएनएस गोमती को सेवामुक्त होने के बाद एक नया उद्देश्य मिला है।

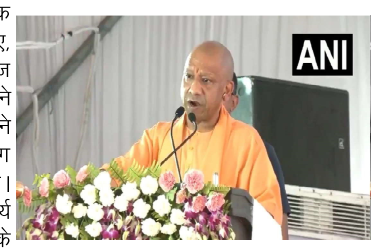

एनटीए की नहीं कम हो रही चुनौतियां, सीयूइटी–यूजी परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी से बदला समय

लखनऊ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूइटी–यूजी परीक्षा में शनिवार को तकनीकी खामियों के कारण परीक्षार्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। बिजनौर स्थित आजाद इंस्टीट्यूट परीक्षा केंद्र पर सर्वर संबंधी समस्या के चलते परीक्षा संचालन प्रभावित रहा, जिससे परीक्षा के समय में बदलाव करना पड़ा। केंद्र से जुड़े एक शिक्षक के अनुसार, सुबह की पाली की परीक्षा निर्धारित समय 12 बजे समाप्त होनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण परीक्षा करीब 12:30 बजे समाप्त हुई। इसके चलते अगली पाली की परीक्षा भी प्रभावित हुई और शाम की परीक्षा निर्धारित समय से विलंब से समाप्त होकर करीब सात बजे खत्म हो सकी। तकनीकी समस्या के चलते कई छात्र समय पर लागइन नहीं कर सके और उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

तमिलनाडु में वादे पर बवाल!

कृषि कर्ज माफी के लिए सड़कों पर उतरे किसान, Police से नोकझोंक

चेन्नई। नागपट्टिनम में किसानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) सरकार की निंदा करते हुए एक विरोध रैली का आयोजन किया। पुलिस द्वारा मार्च रोकने के प्रयास के दौरान तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके चलते किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव प्रचार के दौरान तमिलनाडु सरकार द्वारा किए गए कृषि ऋण माफी के वादे को तत्काल लागू करने की मांग की और केंद्र एवं राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे कर्नाटक सरकार को कावेरी नदी पर मेकेदातु में प्रस्तावित बांध परियोजना को आगे बढ़ाने से रोकें। यह विरोध प्रदर्शन तमिलनाडु किसान संरक्षण संघ और तमिलनाडु किसान संघों की संयुक्त कार्य समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। किसानों ने नागपट्टिनम अवुरी मैदान से जिला कलेक्टर कार्यालय की ओर मार्च किया और अपनी मांगों को उजागर करते हुए एक याचिका सौंपी।

हालांकि पुलिस ने रैली और विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, फिर भी किसानों ने प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए मार्च जारी रखा। नागपट्टिनम, तिरुवरूर और कराईकल जिलों के 500 से अधिक किसानों ने प्रदर्शन में भाग लिया। रैली के दौरान किसानों ने नारे लगाते हुए मांग की कि तमिलनाडु सरकार कृषि ऋणों की व्यापक माफी की तत्काल घोषणा करे और केंद्र एवं राज्य सरकारें मेकेदातु में कावेरी नदी पर प्रस्तावित बांध के निर्माण को रोकने के लिए कदम उठाएं।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप: नीट पेपर लीक के पीछे शिक्षा माफिया का हाथ, सरकार नाकाम!

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट परीक्षा की प्रश्नपत्रों के परिवहन में वायुसेना के वाहनों का उपयोग करने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे दिखावा बताया, जिसमें लीक को रोकने का कोई वास्तविक इरादा नहीं था। केजरीवाल ने देश की शिक्षा प्रणाली पर माफिया का नियंत्रण होने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के जहाजों का इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इससे पेपर लीक रुकेंगे? हमारी सरकार अनपढ़ों की तरह बातें क्यों कर रही है? पेपर लीक रोकने का तो उनका कोई इरादा ही नहीं है। देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह माफिया के चंगुल में फंस गई है। केजरीवाल ने आगे कहा कि इस समस्या को ठीक करने के लिए सभी को मिलकर कुछ करना होगा। सिर्फ एक व्यक्ति के अकेले प्रयास से यह नहीं होगा। खुद से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में केजरीवाल ने कहा कि पूरी दुनिया में इतने सारे परीक्षा प्रश्नपत्र हैं, और कहीं भी, किसी न किसी तरह, उन्हें वायुसेना के बुलेटप्रूफ ट्रकों में नहीं ले जाया जा रहा है३ यह सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है। वे कार्रवाई करने का नाटक कर रहे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने का उनका कोई वास्तविक इरादा नहीं है। लीक जारी रहेंगे। केजरीवाल ने कक्षा 12 के छात्र वेदांत के मामले का भी जिक्र किया, जिसने अपने भौतिकी के प्रश्नपत्र में अनियमितताओं को लेकर एक्स पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि वेदांत को ट्रोल सेना ने ट्रोल किया, उसे पाकिस्तानी और राष्ट्रविरोधी कहा गया, यह सब शिक्षा माफियाओं को बचाने के लिए हो रहा है।

कोलकाता में सियासी हलचल, अभिषेक बनर्जी के घर फिर सीआईडी की दस्तक, टीएमसी में हड़कंप

पश्चिम बंगाल केंद्रीय जांच विभाग (सीआईडी) के चार अधिकारियों की एक टीम शनिवार दोपहर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के आधिकारिक आवास शांतिनिकेतन पर अचानक पहुंच गई। यह अचानक दौरा एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार है जब कानून प्रवर्तन कर्मियों ने भाबानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के हरीश मुखर्जी रोड पर स्थित इस हाई–प्रोफाइल संपत्ति पर छापा मारा है। इससे ठीक चार दिन पहले, कोलकाता पुलिस की एक अलग टीम ने भी इसी परिसर का दौरा किया था। राज्य जांच एजेंसी की इस अचानक कार्रवाई के पीछे का विशिष्ट उद्देश्य अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की है कि सीआईडी के पहुंचने पर बनर्जी अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में, सीआईडी घ्की चार सदस्यीय टीम ने घटनास्थल पर मौजूद सांसद के एक करीबी सहयोगी से गहन पूछताछ की और फिर वहां से रवाना हो गई।

बिहार सरकार के आदेश के बाद भी टस से मस नहीं राबड़ी देवी, बोलीं– वे पुलिस बुला लें, बंगला नहीं छोड़ूंगी

आरजेडी नेता और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को घोषणा की कि बिहार सरकार द्वारा उन्हें परिसर खाली करने का आदेश दिए जाने के बाद, वह पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित अपने सरकारी आवास को नहीं छोड़ेंगी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि वे जगह खाली कराने के लिए पुलिस को बुला सकते हैं, लेकिन मैं जगह खाली नहीं करूंगी। बिहार सरकार ने शुक्रवार को बेदखली का नोटिस जारी किया, जिसमें बताया गया कि बंगला बिहार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। सरकारी सूचना में यह भी बताया गया कि राबड़ी देवी को बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता होने के नाते पहले ही वैकल्पिक सरकारी आवास आवंटित किया जा चुका था, लेकिन उन्होंने अभी तक 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली नहीं किया है।

राजनाथ सिंह का दावा, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान को बंदरगाहों में दुबका दिया!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया। यहाँ खुले में बने नौसेना संग्रहालय नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखने में नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी नौसेना पूरी तैयारी और ताकत के साथ अरब सागर में तैनात थी और दुश्मन पर लगातार दबाव बनाए रखा। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की पूरी नौसेना अपने बंदरगाहों तक सीमित रही। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। 10 मई की शाम दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद सैन्य संघर्ष समाप्त हो गया। भारतीय नौसेना की विरासत, परिचालन क्षमताओं और समुद्री उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के बारे में बात करते हुए, सिंह ने कहा कि यह न केवल लखनऊ और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए, बल्कि हमारे लिए भी व्यक्तिगत रूप से गर्व और सम्मान का क्षण है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में, यह सुविधा न केवल लखनऊ के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी, बल्कि एक पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित होगी और शहर के प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में उभरेगी। इससे पहले, सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में सीजी सिटी क्षेत्र में शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह संग्रहालय नौसेना की बहादुरी, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। लखनऊ जैसे भू–बद्ध शहर में नौसेना संग्रहालय की स्थापना के पीछे के तर्क पर सिंह ने कहा कि समुद्री सुरक्षा प्रत्येक नागरिक से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसकी रक्षा करने वाले भारत के हर गांव, कस्बे और शहर से आते हैं।

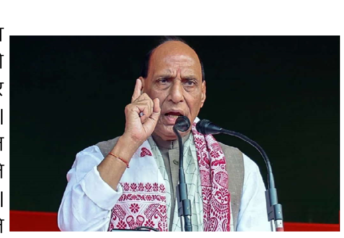

दलित बस्ती में नाला निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने लगाया गुणवत्ताविहीन कार्य और भ्रष्टाचार का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली तहसील क्षेत्र के मझौआ कला द्वितीय ग्राम पंचायत के राजस्व गांव अहिरौली स्थित दलित बस्ती में जिला पंचायत द्वारा कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये की लागत से हो रहे इस निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ गई है। शिकायतकर्ता प्रेम चन्द्र ने बताया कि कार्य योजना के अनुसार बड़की गड़ही से चंद्रभान की तेल मशीन तक लगभग 330 मीटर लंबाई का नाला निर्माण कराया जाना है। इस परियोजना के लिए करीब 35 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य का जिम्मा ठेकेदार शिव

प्रसाद चौधरी को दिया गया है, लेकिन कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं दिखाई दे रही है। प्रेम चन्द्र का कहना है कि निर्माण कार्य में अनियमितताओं की शिकायत उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर भी दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद जांच के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। ग्रामीण अवधेश कुमार चौधरी, दिनेश कुमार गौड़, राम सूरत गौड़, राम नाथ चौधरी, अश्वनी कुमार, भरत लाल, मायावती, अनिल कुमार गौतम, विजय बहादुर तथा शिवनाथ गौतम सहित अन्य लोगों ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान किसी सक्षम अधिकारी या तकनीकी कर्मचारी की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि नाला निर्माण में प्रयोग किए जा रहे निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ढलाई कार्य पूरा होने के बाद कंक्रीट की मजबूती बनाए रखने के लिए आवश्यक पानी का छिड़काव नहीं कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में क्योरिंग (पानी डालने) की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, लेकिन ठेकेदार द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे भविष्य में नाले के क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उच्चाधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो सरकारी धन का बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जिला पंचायत के अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल नाला निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में असंतोष का माहौल बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराता है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाता है।

डीएम ने किया औचक निरीक्षण अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश 15 दिवस से पहले सभी अनुपालन हो सुनिश्चित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने बाबू ईश्वरशरण जिला चिकित्सालय/मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल परिसर में मरीजों एवं तीमारदारों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।उन्होंने आमजन के सुगम आवागमन हेतु सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पर्याप्त एवं सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था

विकसित करने को कहा। ओपीडी, वेटिंग रूम तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने पर जोर दिया।डीएम ने मरीजों के पर्चों पर लिखी जाने वाली दवाओं का ऑनलाइन कम्प्यूटर अपडेट समयबद्ध एवं शत–प्रतिशत रूप से किए जाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।इसके अतिरिक्त उन्होंने शौचालयों की नियमित साफ–सफाई तथा पूरे अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज परिसर में उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिये हैं।निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि अस्पताल के प्रत्येक फ्लोर पर कम से कम पांच–पांच व्हीलचेयर उपलब्ध रहें, जिससे बुजुर्ग, दिव्यांग एवं गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि डॉक्टरों, नर्सों, कम्पाउंडरों एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती पर्याप्त संख्या में रहे, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो सकें।

परिवहन विभाग एवं पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों के उल्लंघन पर की गई कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से परिवहन विभाग

द्वारा पुलिस क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज के सहयोग से करनैलगंज चौराहा एवं बरगदी मोड़ चौराहा पर संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान बिना वैध परमिट संचालित वाहनों, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों तथा ओवरलोडिंग एवं अन्य अनियमितताओं में लिप्त वाहनों के विरुद्ध सघन जांच कर प्रभावी कार्रवाई की गई।इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज द्वारा किया गया।अभियान के दौरान वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन किया गया। जांच के दौरान कई वाहन बिना वैध परमिट संचालित पाए गए, जिनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान एवं अन्य विधिक कार्रवाई की गई।इसके अतिरिक्त, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट एवं निर्धारित गति सीमा का पालन करने हेतु जागरूक भी किया गया। अधिकारियों द्वारा स्पष्ट रूप से बताया गया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।परिवहन विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहनों के समस्त अभिलेख अद्यतन रखें तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। विभाग द्वारा यह भी कहा गया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ऐसे संयुक्त अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी. भारतीय ने बताया है कि जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा वाहन चालकों में नियमों के पालन के प्रति सकारात्मक संदेश गया है।

सोनौली सीमा से नेपाल के हवाले किए गए 453 नेपाली नागरिक, नेटवर्क ठगी कनेक्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/नौतनवां। भारत–नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित सोनौली बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने 453 नेपाली नागरिकों को नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये लोग कथित तौर पर संगठित ठगी और फर्जी विदेश रोजगार नेटवर्क के जाल में फंस गए थे। जानकारी के अनुसार, कई नेपाली नागरिकों को विदेश में नौकरी, बेहतर वेतन और आकर्षक अवसरों का लालच देकर भारत के रास्ते अन्य देशों में भेजने की तैयारी की जा रही थी।

सुरक्षा एजेंसियों को संदेह होने पर जांच शुरू की गई, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पूछताछ के दौरान मानव तस्करी, फर्जी दस्तावेज और नेटवर्क आधारित ठगी से जुड़े पहलुओं की भी जांच की गई। इसके बाद सभी 453 नेपाली नागरिकों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नेपाल पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में सक्रिय ऐसे नेटवर्क पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच एजेंसियां इस पूरे गिरोह से जुड़े मास्टरमाइंड और सहयोगियों की पहचान में जुटी हैं। भारत–नेपाल सीमा पर मानव तस्करी और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दिया गया है ।

फलदार पेड़ों की कटान का आरोप,एसडीएम ने दिए जांच व कार्रवाई के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कटरा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरिया में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर हरे फलदार पेड़ों की कटान किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है। शिकायत मिलने के बाद उपजिलाधिकारी ने राजस्व विभाग को तत्काल जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गौरिया के कंचन पुरवा निवासी मोतीलाल ने उप जिलाधिकारी करनैलगंज नेहा मिश्रा को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव की सरकारी भूमि को कुछ दबंगों द्वारा जोतकर कब्जा किया जा रहा है। इतना ही नहीं, भूमि पर लगे हरे फलदार पेड़ों को भी कटवा दिया गया है। शिकायतकर्ता ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं ग्राम पंचायत की प्रशासक शमा सिंह ने भी प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गांव निवासी रमेश कुमार द्वारा सरकारी भूमि पर लगे बेर सहित

अन्य फलदार पेड़ों की कटान कराई गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना गंभीर मामला है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले की जानकारी मिलने पर राजस्व निरीक्षक वीरेंद्र पाठक ने बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में आ चुका है। उप जिलाधिकारी द्वारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि लेखपाल गोविंद शरण तिवारी के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की जा रही है तथा कटे हुए पेड़ों की लकड़ियों को कब्जे में लिया जा रहा है। वहीं प्रभारी निरीक्षक मनोज पाठक ने कहा कि मामला अभी उनके समक्ष औपचारिक रूप से नहीं आया है। यदि ग्राम पंचायत प्रशासन की ओर से शिकायत प्राप्त होती है तो जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकारी भूमि और उस पर लगे पेड़ों की सुरक्षा नहीं हो पाएगी तो भविष्य में ऐसे मामलों में और वृद्धि हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

भाजपा सरकार पर अखिलेश यादव का तीखा हमला, बोले अब हैं जाने वाले, लौटकर न आने वाले

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और सत्ता में बैठे लोगों के खिलाफ व्यापक असंतोष है। उन्होंने विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जनता से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए और शासन केवल प्रचार तक सीमित रह गया है।अखिलेश यादव ने एक बयान में कहा कि सत्ता में बैठे लोग घमंड में चूर होकर जनहित के मुद्दों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने झूठे मुकदमे दर्ज कराए, बुलडोजर कार्रवाई के जरिए लोगों के घर और दुकानें गिराईं तथा बिजली–पानी जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर जनता को परेशान किया। उन्होंने पत्रकारों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन वर्गों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें लगातार उपेक्षा और परेशानियों का सामना करना पड़ा।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्ग पर अत्याचार बढ़ा है तथा आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने और फर्जी मुठभेड़ों के जरिए भय का माहौल बनाने का प्रयास किया गया।अखिलेश यादव ने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार अब विदा होने वाली है और प्रदेश की जनता परिवर्तन के लिए तैयार बैठी है।

नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना के नेतृत्व में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना के

नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। शनिवार को लोहिया नगर वार्ड के देवापार में प्रातः 06 बजे से तीन घंटे तक चले इस अभियान में अध्यक्ष के साथ सभासदों, नगर पंचायत कर्मियों तथा सहयोगियों ने खूब पसीना बहाया। हाथों में स्वयं झाड़ू लिए श्रीमती राना ने टीम के साथ शिव मंदिर परिसर और तालाब के अन्दर उतर कर साफ सफाई किया। उन्होंने ने कहा कि महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने का संदेश दिया गया हैं। श्रीमती राना ने नागरिको से अपील किया कि अपने घरों तथा आस पास स्वच्छता बनाए रखें जिससे बीमारियों पर लगाम लगाया जा सके। कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ, सुन्दर और समृद्ध नगर बने बिना नगर को देश को मॉडल नगर पंचायत बनाने तथा विकसित भारत की कल्पना साकार नहीं हो सकेगी। श्रीमती राना ने बताया कि नगर देश की पहली नगर पंचायत है जहां प्रत्येक माह विशेष स्वच्छता अभियान, योग दिवस, वृद्ध जन सम्मान, श्रीराम धाम निःशुल्क यात्रा सहित साप्ताहिक जनता दर्शन, नगर पंचायत अध्यक्ष विवेकाधीन कोष, निःशुल्क शव वाहन सुविधा, संस्कार सहभागिता योजना, श्रम बीर सम्मान योजना, एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार, धर्म ज्योति योजना, शिकायतों के लिए टोल फ्री सुविधा, युवाओं के लिए नगर महोत्सव एवं शहीद मेला जैसी दर्जनों जनहितकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। इस अवसर पर सभासद राजेश पाण्डेय, राजकुमार चौधरी, रणजीत सिंह, राजेश त्रिपाठी, मोनू पांडेय, राकेश पाण्डेय ,चंद्र मणि, मिश्र, जगदम्बा पाण्डेय, श्रुति अग्रहरि, सचिन पाण्डेय, राधा देवी कसौधन, राज कुमारी सोनी, सरोज , शिवम कसौधन सहित बड़ी संख्या में नगर पंचायत कर्मी तथा क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

मलिहाबाद रोड पर सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ । मलिहाबाद रोड स्थित नबीपनाह क्षेत्र में शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक और ईको कार के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार डेल्टा कंट्रोल के माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर मलिहाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारम्भिक जांच में पता चला कि बाइक संख्या यूपी32आरडी0428 और ईको कार संख्या यूपी32एनटी5543 के बीच टक्कर हुई थी। हादसे में बाइक सवार संजीत पुत्र मुन्नीलाल मौर्य निवासी बेलबिरवा, थाना माल, जनपद लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी उम्र लगभग 19 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार युवक दुर्घटना के बाद वाहन के अगले हिस्से में फंसा हुआ था। वहीं कार चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया।स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून–व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने इसे समाचार जगत के साथ–साथ समाज के लिए भी स्तब्धकारी और दुखद क्षति बताया।अखिलेश यादव ने कहा कि अमित तिवारी का असामयिक निधन कई सवाल खड़े करता है, विशेषकर उन जिम्मेदारियों को लेकर जो किसी व्यक्ति के जाने के बाद उसके परिवार और आश्रितों के सामने रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक सच्चा पत्रकार जीवन भर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने और सच को सामने लाने का कार्य करता है। पत्रकार अपने मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता किए बिना अनेक दबावों का सामना करता है, लेकिन कई बार परिस्थितियां उस पर भारी पड़ जाती हैं।

जून 2026 में बिजली उपभोक्ताओं पर लगेगा एफपीपीएएस शुल्क, यूपीपीसीएल ने जारी किए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को जून 2026 के बिल में ईंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) का अतिरिक्त भार उठाना होगा। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की रेगुलेटरी अफेयर्स इकाई ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए जून माह के लिए एफपीपीएएस लागू करने को कहा है।यूपीपीसीएल की ओर से 29 मई 2026 को जारी पत्र में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा 26 मार्च 2025 को जारी मल्टी ईयर टैरिफ (डिस्ट्रिब्यूशन) विनियम, 2025 के तहत ईंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार की व्यवस्था लागू है। विनियम के अनुसार किसी माह में अतिरिक्त विद्युत खरीद एवं पारेषण व्यय का समायोजन तीन माह बाद उपभोक्ताओं से वसूला जाता है।इसी प्रावधान के तहत मार्च 2026 में हुए अतिरिक्त विद्युत खरीद और पारेषण व्यय के आधार पर जून 2026 में एफपीपीएएस लगाया जाएगा। यूपीपीसीएल के अनुसार विनियम 2025 की धारा 16(4) के तहत मार्च 2026 के लिए देय एफपीपीएएस 10 प्रतिशत निर्धारित किया गया है, जिसे जून 2026 में सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं से वसूला जाएगा।इस संबंध में यूपीपीसीएल के मुख्य अभियंता (रेगुलेटरी अफेयर्स इकाई) पंकज सक्सेना ने निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नियामक प्रावधानों के अनुरूप सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं पर यह अधिभार लागू किया जाए। साथ ही विस्तृत गणना पत्रक को निगम की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं।यूपीपीसीएल के इस निर्णय के बाद घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं के जून माह के बिजली बिल पर अतिरिक्त प्रभाव पड़ सकता है।

मिशन शक्ति के तहत खेसरहा पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/खेसरहा। मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने शुक्रवार को ग्राम कड़जा में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, महिला अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह एवं थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उनके साथ होने वाले अपराधों से बचाव, मिशन शक्ति केंद्रों की सेवाओं और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए तथा महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। सम्मेलन में उपस्थित किसी भी महिला ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई। इस दौरान वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई।

खेसरहा में पेड़ की टहनी काटते समय करंट लगने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा थाना क्षेत्र के भैसा गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनू लोधी (25 वर्ष) पुत्र राममिलन लोधी निवासी भैसा थाना खेसरहा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गांव के बाहर स्थित शीशम के पेड़ की टहनी काटने के दौरान अचानक टहनी ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की बिजली लाइन से टच हो गई, जिससे सोनू लोधी गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार को मिले तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रमाणपत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कारागार सिद्धार्थनगर को प्रशासनिक व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण तथा सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने जेल अधीक्षक सचिन वर्मा को प्रमाणपत्र प्रदान किए। कारागार को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली तथा सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रमाणित किया गया है। यह सम्मान कारागार की पारदर्शी व्यवस्था, स्वच्छता, हरित वातावरण तथा बंदियों और कर्मचारियों की सुरक्षा संबंधी बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण है। जेल अधीक्षक सचिन वर्मा के नेतृत्व में कारागार में स्वच्छता, पौधारोपण, स्वास्थ्य परीक्षण, योग, ध्यान और कौशल विकास जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बंदियों के पुनर्वास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि को जनपद के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कारागार प्रशासन की सराहना की। वहीं जेल अधीक्षक ने इसका श्रेय अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दिया।

विधवा की जमीन फर्जी तरीके से बैनामा कराने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील क्षेत्र के खेसरहा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम भलुहा में 71 वर्षीय विधवा महिला की जमीन कथित रूप से धोखाधड़ी कर बैनामा कराने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कोतवाली बांसी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम भलुहा निवासी सुखना देवी पत्नी स्वर्गीय दशरथ ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति का निधन 10 फरवरी 2025 को हो गया था। पति की मृत्यु के बाद वह अकेले खेती–बाड़ी और राजस्व संबंधी कार्य देख रही थीं, जबकि उनके तीनों पुत्र रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। पीड़िता के अनुसार पति के नाम दर्ज कृषि भूमि का नामांतरण कराने के लिए उन्होंने गांव के परिचित लोगों पर भरोसा किया। आरोप है कि दो लोग उन्हें

मोटरसाइकिल से बांसी तहसील ले गए और यह बताते रहे कि राजस्व अभिलेखों में उनका तथा उनके पुत्रों का नाम दर्ज कराया जा रहा है। बाद में जानकारी मिली कि 14 मई 2026 को उनकी हिस्सेदारी की भूमि का बैनामा कमलावती पत्नी रामचंद्र के नाम कर दिया गया। सुखना देवी का आरोप है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं दी गई कि नामांतरण के बजाय विक्रय पत्र तैयार कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दस्तावेजों में उनके मोबाइल नंबर के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति का नंबर दर्ज कराया गया, जिससे उन्हें कोई सूचना न मिल सके। गांव में चर्चा होने पर परिवार के लोगों ने दस्तावेजों की जांच कराई, तब पूरे मामले की जानकारी हुई। पीड़िता का कहना है कि जमीन के बदले उन्हें कोई धनराशि नहीं मिली और पूरी प्रक्रिया धोखे से कराई गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

एकल अभियान के समिति प्रेरणा वर्ग में पदाधिकारियों ने ली शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर के एक होटल में एकल अभियान के अंचल सिद्धार्थनगर का समिति प्रेरणा वर्ग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंचल के 10 संचों से आए समिति अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिवों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की कार्यपद्धति, दायित्वों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरण के विस्तार पर मंथन किया गया। प्रभाग पी–4 के प्रभाग अभियान प्रमुख ओम प्रकाश ने कहा कि एकल अभियान केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, स्वावलंबन और राष्ट्रभावना को मजबूत करने वाला व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि संच समितियों के पदाधिकारी संगठन की रीढ़ हैं और उनके सक्रिय सहयोग से अभियान की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। भाग सचिव अमरनाथ पांडेय ने कहा कि एकल अभियान शिक्षा, आरोग्य, ग्राम विकास और जागरण जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से गांवों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने पदाधिकारियों से संगठन की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अंचल अध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव, अंचल सचिव अनिल अग्रहरी, अंचल संरक्षक शंभूनाथ गुप्ता एवं अंचल अभियान प्रमुख शिवकरन की मौजूदगी में विभिन्न पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

वारंटी अभियान में खेसरहा पुलिस को सफलता, तीन गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस

टीम ने न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में राजेश यादव निवासी कुडजा तथा रामनरायन व श्रीराम निवासी कोटिया बभनी शामिल हैं। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद सभी को न्यायालय में पेश कर दिया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक कुंज बिहारी तिवारी, उपनिरीक्षक मुन्नीलाल, हेड कांस्टेबल मलखा साहनी, कांस्टेबल कमलेश सिंह और कांस्टेबल रतनदीप की प्रमुख भूमिका रही। थानाध्यक्ष ने बताया कि अपराधियों और वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ओवरटेक के दौरान ट्रक से टकराई बाइक, मां–बेटे की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार मां और उसके दो वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इटवा–डुमरियागंज मार्ग पर चौखड़ा स्थित बदलिया कन्या डिग्री कॉलेज के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार, डुमरियागंज थाना क्षेत्र के कटौतिया गांव निवासी दुर्गावती (40) अपने दो वर्षीय पुत्र पल्लू के साथ भाई जीतू साहनी की बाइक से ढेबरुआ थाना क्षेत्र स्थित मायके जा रही थीं। रास्ते में चौखड़ा के पास दूसरी बाइक को ओवरटेक करने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और सामने जा रहे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद दुर्गावती और उनकी गोद में बैठा मासूम पल्लू सड़क पर गिर गए। इसी दौरान ट्रक का पिछला पहिया दोनों के ऊपर से गुजर गया, जिससे मां–बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बाइक चला रहे जीतू साहनी को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। वाहन को कब्जे में लेकर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतका के ससुराल और मायके में कोहराम मच गया। एक साथ मां और मासूम बेटे की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

अनियंत्रित होकर खाई में पलटी कार, बड़ा हादसा टला

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जोगिया थाना क्षेत्र के पकड़ी–जोगिया मार्ग पर शनिवार को एक तेज रफ्तार कार

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसा शराब भट्ठी के पास हुआ। दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार जोगिया की ओर से आ रही थी। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और स्थानीय लोगों ने कार सवारों की मदद की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

स्टे ऑर्डर के बावजूद गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट सख्त, सिद्धार्थनगर पुलिस पर 5 लाख मुआवजे का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायालय के स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के बावजूद एक युवक की गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़ित को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। मामला इटवा थाने में दर्ज एक मुकदमे से जुड़ा है, जिसमें अनिल सोनी के खिलाफ बीएनएस और एससी–एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। अनिल सोनी ने एफआईआर को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने 1 अप्रैल 2026 को उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद 4 अप्रैल 2026 को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। परिजनों और अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस को न्यायालय के आदेश की जानकारी दिए जाने के बावजूद कार्रवाई की गई। बाद में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल होने के बाद भी युवक जेल में निरुद्ध रहा और न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद 29 अप्रैल 2026 को रिहा किया गया। खंडपीठ ने अपने आदेश में संबंधित थाना प्रभारी के आचरण को गंभीर लापरवाही मानते हुए राज्य सरकार को एक माह के भीतर पीड़ित को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। न्यायालय ने यह भी कहा कि राज्य सरकार आवश्यक समझे तो उक्त राशि की वसूली जिम्मेदार अधिकारी से कर सकती है। हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को मामले में की गई कार्रवाई की अनुपालन रिपोर्ट 13 जुलाई 2026 तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय तक आदेश का अनुपालन न होने पर पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होना पड़ सकता है।

बाउन्ड्रीवाल निर्माण को लेकर विवाद, पीड़ता ने उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के हथिरजा निवासिनी आमिना

खान पत्नी अकबर खान ने मण्डलायुक्त और पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र देकर मार पीट, जान से मारने की धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध दर्ज मुकदमा के आधार पर गिरतारी, कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में आमिना खान ने कहा है कि गत 19 मई को वह अपने घर की बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य करा रही थी उसी समय बगल के जहीर अहमद पुत्र सिराज अहमद व बिन्नो पुत्री सिराज अहमद उसके घर पर चढ़ आये। उसे और उसकी पुत्री ने उन लोगों को अपने घर से वापस जाने को कहा किन्तु उसकी बेटी को जहीर अहमद मारने–पीटने लगे व पुत्री को अकेला पाकर उसके साथ दुव्यर्वहार करने की नियत से छेड़खानी करने लगे । उक्त लोग उसकी पुत्री के साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित कर सकते हैं। उसकी पुत्री ने पाकर 112 नम्बर पर डायल किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तहरीर के लिए थाने पर बुलाया। वह अपनी पुत्री के साथ मुण्डेरवा थाने पर पहुंचकर घटना की जानकारी दी। घर आने पर चता चला कि वापस उसके पति के मोबाइल पर जहीर अहमद एवं भाई जुनैद अहमद व जुबैर अहमद द्वारा बार बार धमकी दी जा रही है । उसने इस मामले में दोषियों के विरूद्ध दर्ज मुकदमे के आधार पर दोषियों की गिरतारी और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

विशेष छूट योजना के तहत वितरित हुईं 146 साइकिलें

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शनिवार को शोहरतगढ़ स्थित राजस्थान अतिथि भवन में सत्या खुशहाल जीवन दान साइकिल योजना के अंतर्गत छात्र–छात्राओं, नगर एवं क्षेत्रवासियों के लिए विशेष छूट योजना के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया तथा कुल 146 साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों को रियायती दर पर साइकिलें उपलब्ध कराई गईं। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को सस्ता, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें दैनिक आवागमन में सुविधा मिल सके। विशेष रूप से छात्र–छात्राओं को विद्यालय एवं महाविद्यालय आने–जाने में इससे

लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को योजना की विशेषताओं, पात्रता और लाभों की जानकारी भी दी गई। आयोजकों ने बताया कि यह जनहितकारी पहल समाज के विभिन्न वर्गों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला तथा क्षेत्रवासियों ने इसकी सराहना की। चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि जो लोग अभी तक इस विशेष छूट योजना का लाभ नहीं ले पाए हैं, वे शीघ्र अपना पंजीकरण कराएं। उन्होंने बताया कि इच्छुक लाभार्थी नगर पंचायत कार्यालय, शोहरतगढ़ में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और इसका लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान सभासद अनूप कसौधन, सभासद वकील खान, सभासद बाबूजी अंसारी, सभासद प्रतिनिधि बबलू गौड़, जितेंद्र पाण्डेय, कुणाल जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

पिछली सदी में एक दिग्गज संपादक की वह टिप्पणी आज भी प्रासंगिक है कि 'भविष्य के अखबार रूप–रंग व प्रकाशन में तो आकर्षक होंगे, लेकिन उनमें पत्रकारिता की आत्मा न होगी।' निश्चय ही आज बाजार और राजनीति की दखल के चलते पत्रकारिता के समक्ष बड़ी चुनौती बनी है। वहीं नई पीढ़ी के कथित अश्वनलाइन व डिजिटल सम्मोहन के चलते प्रिंट पत्रकारिता से ...

लोकहित की प्रतिबद्धता पत्रकारिता का फर्ज

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन– ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और ६ ाेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों। आज पत्रकारिता के नवसाक्षरों की बड़ी फौज पत्रकारिता के ग्लैमर व प्रसिद्धि के प्रलोभन में इस पेशे में आती है। उसे आजादी की लड़ाई में सर्वस्व अर्पित करने वाले 'स्वराज' अखबार का शायद ही भान हो, जिसके ढाई वर्ष के अल्पकाल में संपादकों को डेढ़ सौ साल की सजाएं हुई। लेकिन उसके बावजूद संपादक पद के लिये विज्ञापन देने पर जज्बे के पत्रकारों की लाइन लग जाती थी। निश्चित रूप से पत्रकारिता जीवन मूल्यों की शुचिता व सामाजिक दायित्वों का पेशा है। यह विशुद्ध कारोबार या व्यवसाय नहीं हो सकता है। विडंबना यह है कि तकनीकी क्रांति के बाद जब से बड़ी पूंजी की समाचारों के प्रकाशन में दखल बढ़ी है, तब से संपादक नामक संस्था क्षीण हुई है और पूंजीपति की दखल में वृद्धि हुई है। पिछली सदी में एक दिग्गज संपादक की वह टिप्पणी आज भी प्रासंगिक है कि 'भविष्य के अखबार रूप–रंग व प्रकाशन में तो आकर्षक होंगे, लेकिन उनमें पत्रकारिता की आत्मा न होगी।' निश्चय ही आज बाजार और राजनीति की दखल के चलते पत्रकारिता के समक्ष बड़ी चुनौती बनी है। वहीं नई पीढ़ी के कथित ऑनलाइन व डिजिटल सम्मोहन के चलते प्रिंट पत्रकारिता से छिटकना भी चिंता की बात है। कॉन्वेंट स्कूलों से निकलने वाले छात्र हिंदी भाषायी समाचार पत्रों से विमुख हुए हैं। उनका समाचार पत्रों से विमुख होना भारतीय परिवेश, संस्कृति व मातृभाषा से दूर होना भी है। ये संपादकों को सोचना होगा कि समाचार पत्रों से नई पीढ़ी का लगाव कैसे गहरा किया जाए।

पेपर लीक का सबसे अच्छे वाला कनेक्शन

राजनीति से तो पेपर लीक का कनेक्शन भरा पड़ा है। बस अगर पैसा, जुगाड़ और कनेक्शन न हो तो परीक्षार्थियों से ही इसका कोई कनेक्शन नहीं निकल पाता। देखो जी, पेपर लीक का यूं तो पता नहीं किस–किस से कनेक्शन निकल रहा है। अपने यहां तो ऐसे उद्यमियों की भी कोई कमी नहीं जो भगवान से भी इसका कनेक्शन निकाल देंगे। पता चले कि किसी दिन शिक्षा मंत्री महोदय प्रेस कांफ्रेंस कर घोषणा कर रहे हैं कि यह एक्ट ऑफ फ्रॉड नहीं, एक्ट ऑफ गॉड है। जब रामजी सत्ता दिलाने और सत्ता बचाने के काम आ सकते हैं तो वे मंत्रीजी की कुर्सी बचाने के काम क्यों नहीं आ सकते। राजनीति से तो पेपर लीक का कनेक्शन भरा पड़ा है। बस अगर पैसा, जुगाड़ और कनेक्शन न हो तो परीक्षार्थियों से ही इसका कोई कनेक्शन नहीं निकल पाता। वरना तो कहीं राजस्थान से इसका राजनीतिक कनेक्शन निकल रहा है, तो कहीं महाराष्ट्र से। वैसे भी किसी घपले–घोटाले का जब तक राजनीति से कनेक्शन न बैठे, तब तक उसका वजन बनता ही नहीं। पर पेपर लीक तो ऐसा मामला हो गया है जी कि इसका जिससे चाहो उससे कनेक्शन निकाल लो–राजनीति से, नेताओं से, कोचिंग सेंटरों से, कालेजों और खासतौर से प्राइवेट कालेजों से उसका कनेक्शन निकल ही आता है। मास्टरों से उसका कनेक्शन, अफसरों से उसका कनेक्शन। टेस्टिंग एजेंसी से लेकर पेपर का अनुवाद करने वालों तक ऐसा कोई नहीं बचा, जिसका इससे कनेक्शन न हो। जिसका इससे कनेक्शन न निकले, वह टेंशन में आ सकता है कि हाय मेरा ही कोई कनेक्शन न निकला। क्या मैं इतना बुरा हूं भैया। जिसका कनेक्शन न निकले, वह आश्वस्त रह सकता है कि इस बार नहीं तो अगली बार उसका कनेक्शन अवश्य ही निकल आएगा। कोई अगर जांच वगैरह से बचने के लिए अपने कनेक्शन से इंकार करना चाहे तो वह भी किया सकता है कि जनाब, मेरा कनेक्शन तो पिछले पेपर लीक से था, इस बार के पेपर लीक से मेरा कोई कनेक्शन नहीं है। पेपर लीक कोई गुजरा हुआ वक्त नहीं है कि लौट के आएगा ही नहीं। बताते हैं कि अब तक कोई सत्तर बार लौट चुका। खैर जो भी हो, हमें सबसे ज्यादा पसंद आया ब्यूटी पार्लर से इसका कनेक्शन। जी हां, नीट पेपर लीक का ब्यूटी पार्लर से भी अच्छा–खासा कनेक्शन है। पता चला कि फैशियल कराते–कराते साथ में थोड़ा पेपर भी लीक हो रहा है। पता चला कि मेनीक्योर–पेडिक्योर के साथ–साथ गुजारिश की जा रही है कि थोड़ा पेपर लीक हो जाता मैडम, तो कुछ हमारी भी एक्स्ट्रा इनकम हो जाती। ब्यूटी पार्लर के बाद अब फैशन डिजाइनरों से भी इसका कनेक्शन निकल सकता है।

अपनी शताब्दी से अनजान थी हिंदी पत्रकारिता

यह खोज देश के समक्ष आई तब तक हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी बीत चुकी थी। हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी तो नहीं मनी, उसकी द्विशताब्दी उसकी आदि प्रतिज्ञा के स्मरण का अवसर है। युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में प्रथम पृष्ठ पर 'इस कागज के प्रकाशक का इश्तेहार' की पहली ही पंक्ति में लिखा था 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। यह हिंदी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा है। ध्यान देने योग्य है ...

जनवरी, 1931 तक यह माना जाता रहा कि हिंदी पत्रकारिता का जन्म 1845 ई. में हुआ। बाबू राधाकृष्ण दास ने 1894 में नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' में 1845 में निकले 'बनारस अखबार' को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था। हिंदी पत्रकारिता की द्विशतवार्षिकी मनाई जा रही है। इसके पहले 1976 में उसकी सार्ध शतवार्षिकी मनाई गई थी। किंतु सौ साल पहले 1926 में हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी नहीं मनाई जा सकी थी। इसका कारण यह है कि जनवरी, 1931 तक यह माना जाता रहा कि हिंदी पत्रकारिता का जन्म 1845 ई. में हुआ। बाबू राधाकृष्ण दास ने 1894 में नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' में 1845 में निकले 'बनारस अखबार' को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था, जिसके संचालक राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद और संपादक गोविंद रघुनाथ थत्ते थे। बाबू राधाकृष्ण दास की किताब 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' को आधार मानते हुए बाल मुकुंद गुप्त ने भी 'संवाद पत्रों का इतिहास : हिंदी अखबार' शीर्षक अपने निबंध में 'बनारस अखबार' को ही हिंदी का पहला अखबार लिखा। भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के गंभीर अध्येता ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने बाबू राधाकृष्ण दास और बाल मुकुंद गुप्त के लेखन का हवाला देते हुए 'विशाल भारत' के फरवरी, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र' शीर्षक खोजपरक आलेख में लिखा, 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र 30 मई,

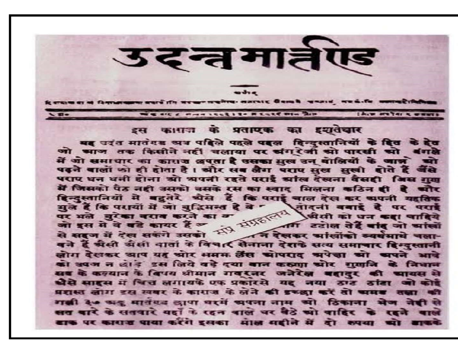

1826 को युगलकिशोर शुक्ल द्वारा कलकत्ता के कोल्हू टोला के आमड़ातला की 37 नंबर गली से प्रकाशित 'उदन्त मार्त्तण्ड' है।' ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'विशाल भारत' के मार्च, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र' शीर्षक लेख की दूसरी किस्त में 'उदन्त मार्तण्ड' के कुछ उद्धरण दिए, जिससे उस समय की पत्रकार कला और भाषा का पता चलता है। ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में बताया कि 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रथम पृष्ठ पर अखबार के नाम के नीचे छोटे अक्षरों में लिखा होता था अर्थातद्द फिर उसके नीचे संस्कृत में लिखा रहता था संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ हैकृसूर्य के प्रकाश के बिना जिस तरह अं ेरा नहीं मिटता, उसी तरह समाचार सेवा के बिना अज्ञ जन जानकार नहीं बन सकते। इसलिए मैं यह प्रयत्न कर रहा हूं। इससे स्पष्ट है कि युगल किशोर शुक्ल ने पाठकों के अज्ञान अंधकार को दूर करने और उन्हें जानकार बनाने यानी शिक्षित करने के ध्येय से 'उदन्त मार्तण्ड' निकाला। इस तरह हिंदी पत्रकारिता का यह आदि संकल्प है कि वह अपने पाठकों–श्रोताओं–दर्शकों को शिक्षित करे और विवेकवान बनाए। ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में 'उदन्त मार्तण्ड' के पहले अंक में प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित 'इस कागज के प्रकाशक का इश्तेहार' को यथावतद्द प्रस्तुत किया है। उन्होंने अखबार के भीतर के पन्नों पर प्रकाशित 'इश्तेहार', 'श्री श्रीमानद्द गवरनर जेनरेल बहादुर का सभा वर्णन', 'वह उल्था', 'फरासीस देश की खबर', 'ठट्टे की बात', 'बहुत मोटे ओ बड़े आदमी', 'अशुद्धता', 'और भी नई अशुद्धियां' तथा 'गवरनर बहादुर की खबर' शीर्षक सामग्री भी जस की तस प्रस्तुत की है। 'विशाल भारत' के अप्रैल, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचारपत्र' शीर्षक लेख की तीसरी किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने लिखाकृ'विशाल भारत' के पिछले अंक में हिंदी के सर्व प्रथम समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के कुछ उद्धरण प्रकाशित किए गए थे। यहां और भी कुछ मनोरंजक उद्धरण प्रकाशित करता हूं। इस किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'उदन्त मार्तण्ड' में प्रकाशित 'बिलायती कपड़ा', 'लूट की छूट', 'दालचीनी के पौधे', 'श्री बुद्धिप्रकाश रामायण अश्वमेध', 'सर्प दंशन विष उतारने की औषधि ा', 'कानूनी नोटिस' और 'मध्य देशीय भाषा के बारे में' शीर्षक सामग्री जस की तस प्रस्तुत की है। इसी किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने अखबार के बंद होने की सूचना दी है। कानूनी कारणों एवं ग्राहकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने के कारण युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के 4 दिसंबर, 1827 के अंक में उसे बंद करने की घोषणा इस प्रकार की थी ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'विशाल भारत' के मई, 1931 के अंक में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखी है जिसका शीर्षक है 'उदन्त–मार्तण्ड के संबंध में'। इसमें उन्होंने लिखा हैकृहिंदी के सर्वप्रथम समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के संपादक कानपुर निवासी पंडित युगलकिशोर शुक्ल थे। युगल किशोरजी पहले कलकत्ते की सदर दीवानी अदालत में प्रोसिडिंग रीडर थे। फिर उसी अदालत में वकालत करने लगे थे। 'उदन्त मार्तण्ड' के अस्त होने के कई वर्ष बाद युगलकिशोर शुक्ल ने एक दूसरे हिंदी पत्र को जन्म दिया था, जिसका नाम 'सामदंड मार्तण्ड' थाय परंतु वह भी अधि ाक दिन तक न चल सका।

पत्रकारिता का सर्वकालिक कर्मपथ प्रदर्शक उदन्त मार्तंड

जनाकांक्षाओं से जुड़ी किसी भी खबर को समाचार पत्र में पर्याप्त स्थान दिया जाना जरूरी होता है। वर्ष 1942 की दिवाली को जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से निकल भागे। प्रेस नोट में उनका नाम था पर ज्यादातर पत्रों ने सिंगल कश्वलम में छोटी खबर छापी। 'विश्वमित्र' के संपादक सत्यदेव विद्यालंकार ने पहले पेज पर मुख्य बैनर बनाया ' जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग ...

आज से दो सौ साल पहले 30 मई 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार–सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं। हिंदी पत्रकारिता बिरादरी के लिए आज गर्व और गौरव का दिन है। यह दौ सौ साल का कालखंड हमारे पूर्वजों के अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक बदलावों की प्रतिबद्धता और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का गवाह है। नई पीढ़ी की पत्रकार बिरादरी के लिए यह आत्ममंथन का समय भी है ताकि आने वाली चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। आज से दो सौ साल पहले 30 मई, 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार–सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई, 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं। इस समाचार पत्र की आदि प्रतिज्ञा में सर्वकालिक पत्रकारिता का लक्ष्य निहित है। जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा थाकृ 'हिन्दुस्तानियों के हित के हेत...!' इस प्रतिज्ञा का गहरे निहितार्थ यही है कि वक्त बदले पर पत्रकारिता का कर्म–पथ यही रहेगा।

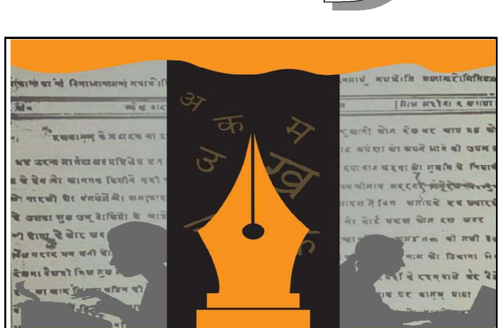

निश्चिय ही यदि पत्रकारिता के इतिहास का प्रामाणिक शोधन न होता तो 'उदन्त मार्तण्ड' गुमनामी के कालखंड में ही रह जाता। साल 1931 तक 'बनारस अखबार' 1845 को ही हिंदी का पहला पत्र माना जाता था। इतिहास के शोधन के क्रम में ब्रजेन्द्र नाथ बंधोपाध्याय को राजा राधाकान्त देव के पुस्तकालय में 'उदन्त मार्तण्ड' की फाइल मिली। इससे प्रमाणित हुआ कि 30 मई, 1826 का 'उदन्त मार्तण्ड' ही पहला हिन्दी पत्र है। बनारसी दास चतुर्वेदी ने 'विशाल भारत' 1931 में यह शोध छापा और तब ही देश की पत्रकार बिरादरी को इस महत्वपूर्ण तथ्य का पता चला। जैसा कि हमारे पूर्वज निजी प्रचार से दूर रहते थे, वैसे ही ऋषिकर्म करने वाले पं. युगलकिशोर जी का कोई फोटो इस समाचारपत्र के दस्तावेजों में नहीं मिला। इतिहास शोधन में भी पं. युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं मिला है। केवल अंग्रेजी में उनका हस्ताक्षर मिला है। पर गूगल ने उनके स्थान पर आचार्य शिवपूजन सहाय का चित्र लगा रखा है। पं. युगलकिशोर शुक्ल के प्रथम प्रयास में भी प्रतिरोध के स्वर नजर आए। निस्संदेह, हिन्दी पत्रकारिता मूलतः प्रतिरोध की पत्रकारिता रही है। 14 मार्च, 1878 को लार्ड लिटन ने 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लाते समय 'मालवा अखबार' और बांग्ला पत्रों का हवाला दिया। लिटन ने कहा 'हर एक दरबार में और मध्यभारत के हर एक बाजार में समाचार पढ़ा जाता है।' इसी क्रम में जनवरी, 1900 में 'सरस्वती' और 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन हुआ। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा, साहित्य और पत्रकारिता को संस्कारित किया। माधवराव सप्रे को हिन्दी नवजागरण का पुरोधा माना जाता है। माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि आज की हिन्दी भाषा का तेज द्विवेदी जी और सप्रे जी का दिया हुआ है। हमारे पूर्वजों में सच को सामने लाने का जज्बा था। इसके लिये वे सब कुछ दांव पर लगाने को तत्पर रहते थे। खोजी पत्रकारिता आपातकाल के बाद नहीं, पहले से थी। 'प्रताप' के 1915–16 के अंकों में निलहे गोरों के अत्याचार की रिपोर्ट छपी। मुंशीगंज और रायबरेली कांड की रिपोर्ट भी 'प्रताप' में छपी। 'कर्मवीर' संपादक माखनलाल चतुर्वेदी खुद घटनास्थल पर गए थे। सार्थक परिभाषा रू 'जिसे छापने से रोका जाए, वही खबर है। बाकी सब प्रचार है।' ऐसा नहीं था कि हिंदी पत्रकारिता सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तक ही सक्रिय रही। हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, कूप–मंडूकता के खिलाफ भी बिगुल बजाया। 'प्रताप' 9–11–1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने लिखा कि 'हम प्राचीन सभ्यता की प्रशंसा करेंगे पर सामाजिक कुरीतियों को भी उजागर करेंगे, क्योंकि मिथ्याभिमान जातियों के सर्वनाश का कारण होता है।' विद्यार्थी जी मानते थे कि पत्रकार की समाज के प्रति जिम्मेदारी है। वह प्रमाण और परिणाम का विचार रखकर लिखे और अपनी गति–मति में सदैव शुद्ध रहे। कालांतर हिंदी के प्रबुद्ध संपादकों ने हिन्दी की शब्द संपदा को समृद्ध किया। वर्ष 1920 में 'आज' दैनिक शुरू हुआ। संपादक बाबूराव विष्णु पराडकर ने हिन्दी पत्रकारिता का मानक रूप तय किया। वर्तनी की एकरूपता, अंग्रेजी शब्दों के लिए हिन्दी शब्द गढ़ेरू मिस्टर–श्री, मिसेज–श्रीमती, ब्लैकआउट–अंधकूप, इंटरनेशनल–अंतर्राष्ट्रीय, डेमोक्रेसी–लोकतंत्र, प्राइम मिनिस्टर–प्रध ानमंत्री आदि। भारतीय चिंतन में आध यात्मिक धारा की प्रबलता के चलते कालांतर आध्यात्मिक पत्रकारिता का भी विस्तार हुआ। अक्तूबर, 1926 में गीता प्रेस से 'कल्याण' का प्रकाशन आरंभ हुआ। सही मायनों में संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने आध्यात्मिक पत्रकारिता का मानक रचा। 'कल्याण' के दो नियम आज भी प्रासंगिक हैं। पहला प्रतिमाह निश्चित तिथि को प्रकाशन हो और दूसरा, अंक में अशुद्धि हो तो उसी अंक में शुद्धिपत्र का प्रकाशन किया जाए। हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता के ऊंचे मूल्यों व गरिमा के लिए दायित्वों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1927 में माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि समाचारपत्र बड़ी ताकत हैं तो उनके सिर जोखिम भी कम नहीं।

एशियाई खेलों के ट्रायल में अब होगा महामुकाबला, विनेश फोगाट की 53 किग्रा में एंट्री, अंतिम पंघाल से टक्कर

पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को शनिवार को एशियाई खेलों के ट्रायल (चयन परीक्षण) में महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उनकी भागीदारी को 50 किलोग्राम वर्ग तक सीमित रखने के अपने पूर्व रुख को पलट दिया। शनिवार सुबह आधिकारिक वजन–माप के दौरान घटनाक्रम में नाटकीय मोड़ आया जब विनेश को सूचित किया गया कि उन्हें केवल 50 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी, क्योंकि उन्होंने पेरिस ओलंपिक सहित अपनी पिछली चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसी भार वर्ग में भाग लिया था।

विनेश ने इस निर्णय पर कड़ा विरोध जताया और आरोप लगाया कि उन्हें अपनी पसंद के भार वर्ग में उतरने से रोककर महासंघ उनके साथ भेदभाव कर रहा है। मौके पर मौजूद सूत्रों के अनुसार विवाद बढ़ने के बाद डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने हस्तक्षेप किया और विनेश को 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल में भी भाग लेने की अनुमति देने का फैसला किया। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, '' विनेश के आरोप लगाने के बाद हमने अधिकारियों को उनका वजन मापने की अनुमति दी।'' उन्होंने कहा, ''हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहते। उन्होंने यह नहीं बताया था कि वह किस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करना चाहती हैं, फिर भी हम उन्हें अनुमति दे रहे हैं।'' इसके बाद

विनेश का वजन 53.9 किलोग्राम दर्ज किया गया और उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग के ड्रॉ में शामिल कर लिया गया।

अब इस वर्ग में मुकाबला बेहद रोचक होने की संभावना है, क्योंकि विनेश का सामना अनुभवी पहलवान अंतिम पंघाल और उभरती हुई प्रतिभा मीनाक्षी गोयत से हो सकता है। ट्रायल की तैयारी के दौरान मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में विनेश ने कहा कि वह अभी कम से कम दो वर्षों तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती जारी रखने के इरादे से मैदान में उतरी हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यहां कम से कम दो साल के लिए हूं।'' यह फैसला डब्ल्यूएफआई के लिए अपने पूर्व रुख से पीछे हटने जैसा माना जा रहा है। महासंघ अब तक यही कहता रहा था कि हाल के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में लगातार 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने और भार वर्ग परिवर्तन की औपचारिक सूचना न देने के कारण विनेश पर केवल उसी श्रेणी में विचार किया जाएगा। यह मामला पहले से ही चर्चा का विषय बना हुआ था। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने डब्ल्यूएफआई को निर्देश दिया था कि विनेश को एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी के रूप में मान्यता देते हुए एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

विनेश हालांकि अपने करियर में 53 किलोग्राम सहित कई भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं और वह ट्रायल में इसी वर्ग में भाग लेना चाहती थी। ट्रायल के विजेता को इस वर्ष आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। डब्ल्यूएफआई द्वारा विनेश को 53 किलोग्राम वर्ग में शामिल किए जाने से कई घंटों से बनी अनिश्चितता समाप्त हो गई है। इसके साथ ही भारत की सबसे सफल महिला पहलवानों में शुमार विनेश फोगाट के लिए एशियाई खेलों का टिकट हासिल करने की उम्मीद भी बरकरार है।

रियान पराग को वैभव सूर्यवंशी में दिखा भारतीय टीम का भविष्य, बोले– देश के लिए भी ऐसे ही खेलेगा

आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में पराजय के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने इस सत्र में 237 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाने वाले 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह देश के लिये भी इसी तरह खेलेंगे। सूर्यवंशी के 47 गेंद में 96 रन की मदद से रॉयल्स ने छह विकेट पर 214 रन बनाये लेकिन शुभमन गिल के शतक की मदद से गुजरात टाइटंस ने आठ गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। सूर्यवंशी ने एलिमिनेटर में 97 रन की पारी खेली थी। मैच के बाद पराग ने सूर्यवंशी के बारे में पूछे जाने पर कहा ,''मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वैभव किस तरह से खेला है। वह ताबड़तोड़ रन बना रहा था लेकिन मैच हालात को भांपकर खेल रहा था। उसने बेहतरीन खेला और समझ में नहीं आता कि हर बार वह ऐसा कैसे कर लेता है।' उन्होंने कहा ,'' उम्मीद है कि वह देश के लिये भी इसी तरह से खेलता रहेगा और जीत में योगदान देगा। हमारे लिये भी खेलता रहेगा और हमें दूसरा आईपीएल खिताब दिलायेगा।'' राजस्थान ने 2008 में शेन वॉर्न की कप्तानी में पहला आईपीएल जीता था।

पराग ने यह भी कहा कि 230 . 240 का स्कोर चुनौतीपूर्ण होता। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगा था कि 214 अच्छा स्कोर है लेकिन भारी रोलर के बाद विकेट बेहतर हो गया। 230 . 240 का स्कोर बेहतर होता। हम उनके सलामी बल्लेबाजों को आउट नहीं कर सके और फिर वापसी मुश्किल थी।

रियान पराग के बयान पर कुमार संगकारा का बेबाक जवाब, आरआर की रणनीति पर खोले राज

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा, टीम के कप्तान रियान पराग द्वारा प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उम्मीदों के बारे में दिए गए बयान से सहमत नहीं थे। राजस्थान ने लीग के अपने आखिरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करो या मरो की जीत हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके बाद रॉयल्स ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर क्वालीफायर 2 में जगह बनाई, जहां शुक्रवार को शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटन्स ने उन्हें हरा दिया। पराग के इस बयान पर कि रॉयल्स को प्लेऑफ में नहीं होना चाहिए था, संगकारा ने पूरी तरह असहमति व्यक्त की।

एक रिपोर्टर ने कप्तान के उस बयान पर मुख्य कोच से उनकी राय पूछी, जिसमें उन्होंने कहा था कि टीम में युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों की संख्या को देखते हुए शीर्ष चार में जगह बनाना मुश्किल है। इस मामले पर फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच की राय बिल्कुल अलग थी। संगकारा ने कहा कि नहीं, आरआर की ऐसी कोई राय नहीं थी, शायद पहले थी। इससे यह संकेत मिलता है कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को केवल खिताब जीतने की मानसिकता से खरीदा था। उन्होंने कहा कि 2022 में, हमने जानबूझकर यह फैसला किया कि हम इसे बदलेंगे। हमने तय किया कि हम ऐसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल करेंगे जो हमें मैच जिता सकें और तुरंत खेलने के लिए तैयार हों। हमने इसी सोच के साथ हर चीज को आगे बढ़ाया है। वैभव एक अपवाद हैं, लेकिन हमने उन्हें इसलिए खरीदा क्योंकि हमें लगा कि वह हमारी शुरुआती प्लेइंग इलेवन में खेलने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। टीम के विकास पहलू पर बोलते हुए संगकारा ने बताया कि फ्रेंचाइजी की रणनीति चार साल पहले बदल गई थी, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि दो साल पहले रॉयल्स का ऑक्शन उतना कारगर नहीं रहा था। उन्होंने कहा कि विकास पहलू के बारे में, हमने पिछले चार वर्षों में अपनी सोच पूरी तरह से बदल दी है। शायद दो साल पहले ऑक्शन में हमने अपने बजट का सही इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन कभी–कभी ऐसा हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि जो भी खिलाड़ी अब खेल रहे हैं – हां, कभी–कभी उनमें थोड़ा अनुभवहीनता होती है, लेकिन वे जीतने के लिए यहां हैं। प्लेऑफ में पहुंचने की बात पर असहमति के बावजूद, संगकारा ने पराग की जमकर प्रशंसा की, जिन्होंने इस सीजन में पहली बार फ्रेंचाइजी की कप्तानी की। हालांकि, कोच ने यह भी माना कि बाहरी लोगों को रॉयल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं पर संदेह था, और उन्हें खुशी है कि टीम ने संदेहियों को गलत साबित कर दिया।

फैक्ट्री का ताला तोड़ चोरी, चार पर मुकदमा

जौनपुर(आरएनएस)। सुरेरी थाना क्षेत्र के रामपुर निष्फी गांव में संचालित एक गारमेंट फैक्ट्री से सिलाई मशीन और तैयार शर्ट चोरी किए जाने के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान पति व प्रधान के जेठ समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।रामपुर निष्फी गांव निवासी अमृत लाल पटेल पुत्र स्वर्गीय शीतला पटेल ने सुरेरी थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पूरेदयाल–नगेसरा मार्ग स्थित उनका गारमेंट कारखाना पंधारी पटेल के मकान में किराए पर संचालित होता है। आरोप है कि बीते मंगलवार की दोपहर रमेश धीवर पुत्र सीताराम धीवर, संजय यादव (प्रधान के जेठ) पुत्र स्वर्गीय रामाशंकर यादव, विनोद यादव (प्रधान पति) पुत्र स्वर्गीय रामाशंकर यादव तथा गोलू धीवर पुत्र रमेश धीवर कारखाने पर पहुंचे और ताला तोड़कर अंदर रखी तीन सिलाई मशीन तथा करीब 450 पीस तैयार शर्ट उठा ले गए।पीड़ित के अनुसार घटना की जानकारी मकान मालिक पंधारी पटेल ने उन्हें दी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल सुरेरी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद . देर रात भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।थानाध्यक्ष सुरेरी दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर मिलने के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच में घटना प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाने पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मोदी के 12 साल के शासनकाल पर होगा जागरूकता कार्यक्रम

बाराबंकी। केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा जागरूकता कार्यक्रम के जरिये जन जन तक पहुंचने को कवायद में जुट गई है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने इन 12 साल वर्ष की उपलब्धियों को घर घर तक पहुंचाने के लिए शिवश्वास, विकास एवं जनकल्याण के 12 साल नाम से एक अभियान शुरू करने की घोषणा की है जो आगामी विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से विश्व योग दिवस (21 जून) तक चलेगा। जिला कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम सिंह वर्मा ने की। बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए एमएलसी व जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने कहा कि 12 वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद बढ़ा है। आंतरिक सुरक्षा, सामरिक दृष्टि से,आर्थिक मोर्चे सहित विकास और विरासत को समर्पित 12 सालों में मोदी सरकार ने जनकल्याण के लिए अनेको योजनाओं को सफलता पूर्व जमीन पर उतारा है। इन्हीं उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि 5 जून को वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत होगी। इसके अलावा प्रबुद्ध जन सम्मेलन, जनसंपर्क अभियान, प्रेस वार्ता सहित कई कार्यक्रम जिला स्तर, विधानसभा स्तर एवं मंडल स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष ने बताया कि अभियान के लिए जिला एवं मंडल स्तर पर टोलियों का गठन किया जा चुका है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, एमएलसी अंगद सिंह, शरद अवस्थी, हरगोविंद सिंह, संतोष सिंह, शशांक कुसुमेश, अरविंद मौर्य, विजय आनंद बाजपेई, प बहादुर पटेल, मुलायम सिंह यादव, रूपेश प्रताप सिंह, सहित सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी गण मौजूद रहे।

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन से बाहर, क्या फिर दिखेंगे रोलैंड गैरोस में? बोले- मुझे नहीं पता

नोवाक जोकोविच को फ्रेंच ओपन 2026 के तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका ने चौंका दिया। सर्बियाई खिलाड़ी को मैराथन गेम में 4–6, 4–6, 6–3, 7–5, 7–5 से हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में थेय हालांकि, उनका इंतजार लंबा खिंच गया क्योंकि 2009 के बाद से रोलैंड गैरोस से यह उनका सबसे जल्दी बाहर होना था। पेरिस में अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर जोकोविच अनिश्चित थे।

अगले साल वापसी के बारे में पूछे जाने पर जोकोविच ने जवाब दिया, ष्मुझे नहीं पता।ष सर्बियाई खिलाड़ी के पास अपने बहुप्रतीक्षित 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब तक पहुंचने का मौका था क्योंकि जानिक सिनर भी दूसरे दौर में 56वीं रैंक वाले जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हार गए थे। इसके अलावा, कार्लोस अल्काराज कलाई की चोट के कारण पहले ही इस मेजर टूर्नामेंट से बाहर हो चुके थे। जब उनसे पूछा गया कि उन दो सितारों की अनुपस्थिति में क्या हो सकता था, तो 39 वर्षीय खिलाड़ी इस पर विचार करने के मूड में नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुझे परवाह नहीं है। मुझे परवाह नहीं है। मैं आपको यहीं रोक देता हूँ। नहीं। मैं अभी तीसरा राउंड हार गया हूँ। चलिए किसी और बात पर चर्चा करते हैं। इस बीच, जोकोविच पिछले पांच मेजर टूर्नामेंटों में कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराया था, लेकिन फाइनल मुकाबले में कार्लोस अल्काराज से हार गए। पेरिस में 2009 के बाद पहली बार क्वार्टरफाइनल से पहले बाहर होने पर उन्होंने फोन्सेका की जमकर तारीफ की। जोकोविच ने कहा, ष्मैंने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे जीत के हकदार थे और उन्होंने शानदार मैच खेला, और उन्हें खुद पर गर्व होना चाहिए।ष

उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस स्तर का टेनिस खेला है, उससे उनके बारे में काफी चर्चा है, और मुझे लगता है कि आज हम सभी ने देख लिया कि उनके बारे में इतनी चर्चा क्यों है। उनका खेल अद्भुत था। मुझे नहीं लगता कि मैंने अपने खेल में कुछ खास गलती की है। बस वो मुझसे बेहतर थे। मुझे लगता है कि मैं अच्छा टेनिस खेल रहा था, वाकई बहुत अच्छा।

बदमाशों के सैलून में फायरिंग से दहशत

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में . दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब सैलून में बैठे एक युवक पर बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हमले में युवक बाल–बाल बच गया, जबकि घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। रामीपुर गांव निवासी आशीष मिश्रा मेढ़ा मोड़ स्थित एक सैलून में शेविंग करा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और अचानक उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पहली गोली युवक के बेहद करीब से गुजरते हुए दीवार में जा लगी, जबकि दूसरी गोली भी निशाना चूक गई। अचानक हुई गोलीबारी से सैलून और आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आशीष मिश्रा के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर बाइक से रतासी बाजार की दिशा में फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और सिंगरामऊ पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। थाना प्रभारी सैय्यद हसनैन मुंतजार ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया किसी पुराने विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। घटना के बाद इलाके में पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई है।

वे हमारे बीच चल रहे हैं...व्हाइट हाउस ने एलियन के लिए नई वेबसाइट बनाई, टारगेट पर कोई और

व्हाइट हाउस ने आव्रजन प्रवर्तन पर केंद्रित एक नई अंतरिक्ष–थीम वाली वेबसाइट का अनावरण किया है, जिसमें अमेरिका में बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों की गिरफ्तारी को उजागर करने के लिए अलौकिक प्राणियों से जुड़े चित्रों और भाषा का उपयोग किया गया है। लॉन्च की गई इस वेबसाइट का डिजाइन विज्ञान–कथा फिल्मों की याद दिलाता है, जिसमें तारों और आकाशगंगाओं की पृष्ठभूमि पर चमकीले हरे रंग का स्क्रॉलिंग टेक्स्ट दिखाई देता है। पेज खोलने पर आगंतुकों को यह संदेश मिलता हैरू ष्वे हमारे बीच घूमते हैंए जो अवैध अप्रवासियों का संदर्भ है, जिन्हें प्रशासन बार–बार श्एलियंसश कहता है। एलियंस डॉट गोव डोमेन के तहत होस्ट की गई यह वेबसाइट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापक आव्रजन अभियान का हिस्सा है और इसका उद्देश्य अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (प्ब्म्) द्वारा की गई प्रवर्तन कार्रवाइयों को प्रदर्शित करना है। वेबसाइट पर लिखा है कि 60 वर्षों से अमेरिकी सरकार ने एक गहरा राज छुपा रखा है। विदेशी हमारे बीच घूम रहे हैं, हमारे मोहल्लों में रह रहे हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमसे बातचीत कर रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म में एक लाइव डैशबोर्ड है जो पूरे देश में आव्रजन संबंधी मुठभेड़ों और गिरफ्तारियों पर नजर रखता है। गुरुवार शाम को, काउंटर ने 31 लाख से अधिक मुठभेड़ों को प्रदर्शित किया, हालांकि वेबसाइट इस आंकड़े में शामिल सटीक समयावधि का उल्लेख नहीं करती है। व्हाइट हाउस इस मंच का उपयोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आव्रजन एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए भी करता है, उन्हें पहले ऐसे नेता के रूप में वर्णित करता है जिन्होंने अमेरिकियों को अवैध प्रवासियों से उत्पन्न होने वाले खतरों के बारे में चेतावनी दी थी। वेबसाइट पर लिखा है कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हर अमेरिकी परिवार, हर समुदाय और हमारे राष्ट्र के भविष्य के लिए विदेशियों से उत्पन्न होने वाले वास्तविक खतरे को उजागर किया। इंटरैक्टिव मानचित्र गिरफ्तारियों को ट्रैक करता हैः वेबसाइट की प्रमुख विशेषताओं में से एक संयुक्त राज्य अमेरिका में आव्रजन प्रवर्तन गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला एक इंटरैक्टिव मानचित्र है।

ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार का डोनाल्ड ट्रम्प पर बड़ा हमला, कहा- डिप्लोमेशी को धोखा दिया

ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार मोहसेन रेजाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ष्तीसरी बार कूटनीति के साथ विश्वासघातष करने का आरोप लगाया है, क्योंकि ईरान–अमेरिका युद्धविराम के प्रस्तावित विस्तार को लेकर तनाव बना हुआ है। ट्रम्प ने कहा कि वह जल्द ही युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने पर फैसला करेंगे, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर प्रमुख मतभेद अभी भी बने हुए हैं। तेहरान ने परमाणु हथियारों को स्थायी रूप से त्यागने और रणनीतिक जलमार्ग पर नियंत्रण छोड़ने की अमेरिकी मांगों को खारिज कर दिया है, जबकि रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि दोनों पक्ष एक ऐसे समझौते के करीब हैं जिसमें जमे हुए ईरानी परिसंपत्तियों की रिहाई और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी में चरणबद्ध ढील शामिल हो सकती है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसेन रेजाई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान पर नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखकर और वार्ता के दौरान अत्यधिक मांगें रखकर ष्तीसरी बार कूटनीति के साथ विश्वासघातष कर रहे हैं। रेजाई ने वाशिंगटन के इस रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि इन उपायों से दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक प्रयासों को नुकसान पहुंच रहा है।

वृद्ध का शव खेत में मृत अवस्था में मिला

जौनपुर। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के कान्हापुर गांव में एक वृद्ध का शव खेत में मृत अवस्था में मिला। जानकारी के अनुसार, अशोक मिश्रा को कथित तौर पर जलाकर मारा गया था। कान्हापुर स्थित चौबान बस्ती निवासी 61 वर्षीय अशोक मिश्रा का शव मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में मृतक अशोक मिश्रा की पत्नी इसरावती मिश्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। तेजीबाजार थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए लक्ष्मी नारायण और शकुंतला देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए चालान भेज दिया गया है।

मुठभेड़ में बदमाश को किया गिरफ्तार

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के बहरीपुर गांव के हरदनबीर मन्दिर के पास .... की शाम को पुलिस ने मुठभेड़ में बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।बदमाश पर वाराणसी तथा जनपद में कुल 10 आपराधिक मुकदमे चल रहे है।पुलिस के लिए यह चुनौती बन गया था। पुलिस के अनुसार जलालपुर थानाध्यक्ष प्रशांत सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि बिगत छह मई को जलालपुर क्षेत्र के डिंगुरपुर नहर रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों और पुलिस से मुठभेड़ हुई थी।जिसमे अंकित यादव उर्फ मोनू यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव निवासी बहादुद्दीनपुर थाना सरायख्वाजा के पैर में गोली लगी थी।अंकित यादव के साथ बाइक चला रहा दूसरा बदमाश बाइक सहित भाग गया था।मौके से भागे बदमाश विनय सरोज उर्फ बिन्नी पुत्र दीनानाथ सरोज निवासी बहरीपुर थाना जलालपुर की तलाश में पुलिस लगी थी। उक्त स्थान पर पहुंच पुलिस ने घेरेबन्दी करके विनय सरोज उर्फ बिन्नी को गिरफ्तार कर लिया।थानाध्यक्ष प्रशांत सिंह ने बताया कि पकड़े गए बदमाश विनय उर्फ बिन्नी पर 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज है।जिनमे दो वाराणसी जिले के शिवपुर थाने में तथा एक केराकत व सात मुकदमे जलालपुर थाने में दर्ज है।पुलिस के लिए चुनौती बन बिन्नी को आखिर गिरफ्तार कर लिया गया।

करंट से लाइनमैन की मौत के बाद हंगामा, शव रखकर लगाया जाम

सीतापुर। मछरेहटा थाना क्षेत्र में प्राइवेट लाइनमैन की करंट लगने से मौत के बाद देर शाम परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने शव को गौरिया–मछरेहटा मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम ताजपुर बरसन्धिया निवासी आनंद उर्फ नंदी प्राइवेट लाइनमैन के रूप में कार्य करता था। बताया जा रहा है कि काम के दौरान वह बिजली करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दी। जाम के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर थाना प्रभारी प्रभात गुप्ता, कोतवाली देहात प्रभारी अमर सिंह, खैराबाद प्रभारी अनिल सिंह समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में नायब तहसीलदार अजय कुमार ने परिजनों से वार्ता कर उचित कार्रवाई और मदद का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त कराया जा सका।

वीर सावरकर की जयंती पर युवाओं ने जाना राष्ट्रवाद और संघर्ष का संदेश

सीतापुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत, सीतापुर द्वारा आरएमपी पीजी कॉलेज में वीर सावरकर की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. जयवीर सिंह और डॉ. श्रद्धा गुप्ता ने सावरकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। उपस्थित अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया गया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय प्रकाश ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जयवीर सिंह ने वीर सावरकर के जीवन, संघर्ष और राष्ट्रवादी विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावरकर जी महान स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, कवि और समाज सुधारक थे, जिनके विचार आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर भाषण एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में सेजल सिंह प्रथम, आराध्या मिश्रा द्वितीय और सौभाग्य मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रेमिका को गोली मारने वाला आरोपी खेत में मिला मृत

सीतापुर। प्रेमिका को गोली मारकर फरार हुए युवक का शव खैराबाद क्षेत्र में मिलने से .सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव की पहचान मानपुर थाना क्षेत्र के अख्तरपुर निवासी अम्बुज के रूप में की, जो बीती 24 मई को कमलापुर क्षेत्र में युवती को गोली मारने की वारदात के बाद से फरार चल रहा था। जानकारी के अनुसार आरोपी घटना के बाद लगातार पुलिस से बचने के लिए इधर–उधर छिपता फिर रहा था। .खैराबाद थाना क्षेत्र के अशरफपुर गांव के पास खेत में उसका शव मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टरों की निगरानी में हुए पोस्टमार्टम में मौत का कारण दम घुटना और शॉक बताया गया है। पुलिस का मानना है कि आरोपी वारदात के बाद खेतों में छिपा रहा, जहां अत्यधिक गर्मी और घबराहट के चलते उसकी हालत बिगड़ गई। हालांकि पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। एएसपी उत्तरी आलोक सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं गोली लगने से घायल युवती का इलाज लखनऊ में चल रहा है और उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जेल जा चुका आरोपी फिर सुर्खियों में, वायरल कॉल ने उठाए सिस्टम पर सवाल

फर्जी जीएसटी अफसर का नया ऑडियो वायरल, पुलिस से बात करने का अंदाज बना चर्चा

कुशीनगर। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो क्लिप ने जिले में हलचल मचा दी है। ऑडियो में कथित तौर पर वही शख्स सुनाई दे रहा है जो पहले खुद को जीएसटी अधिकारी बताकर ट्रक चालकों से वसूली करने के आरोप में जेल जा चुका है। लेकिन इस बार चर्चा केवल उसकी आवाज की नहीं, बल्कि उसके "तेवर" की हो रही है।वायरल बातचीत में वह तमकुहीराज थाने पर तैनात एक पुलिसकर्मी से जिस अंदाज में बात करता सुनाई दे रहा है, उसे सुनकर लोग हैरान हैं। आवाज में ऐसा रौब, ऐसी गुर्राहट और ऐसा दबाव मानो सामने कोई पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि उसका मातहत खड़ा हो।

हालांकि ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह आडियो खूब वायरल हो रहा है और आमलोग यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आखिर एक आरोपी इतना बेखौफ कैसे हो सकता है?

ऑडियो नहीं.. फर्जी अफसरी का लाइव डेमो–– ऑडियो सुनने वाले लोग एक ही बात कह रहे हैं अगर पुलिस से बात करने का अंदाज ऐसा है, तो ट्रक ड्राइवरों और आम लोगों पर यह व्यक्ति कितना दबाव बनाता होगा। यही वजह है कि यह वायरल क्लिप अब सिर्फ एक ऑडियो नहीं, बल्कि उस कथित " फर्जी अफसरी मॉडल " का नमूना मानी जा रही है, जिसमें आवाज, रोब और डर दिखाकर लोगों को अपने प्रभाव में लिया जाता है। सूत्र बताते हैं कि आरोपी पर पहले भी ट्रक चालकों को रोककर खुद को जीएसटी अधिकारी बताने, कागज चेक करने के नाम पर धमकाने और वसूली करने के आरोप लग चुके हैं। मामला जेल तक पहुंचा था, लेकिन अब वायरल ऑडियो ने फिर वही सवाल जिंदा कर दिए हैं।

क्या था कम्प्लेन ?–– पूरा मामला अब इसी सवाल पर टिक गया है कि आखिर वह कौन सी शिकायत थी, जिसके आधार पर पुलिसकर्मी उससे संपर्क में था? क्या वास्तव में कोई शिकायत दर्ज हुई थी?यदि शिकायत थी, तो आरोपी जैसा व्यक्ति पुलिस से इतनी दबंगई से कैसे बात कर रहा था?क्या उसे किसी संरक्षण का भरोसा था?या फिर मामला सिर्फ प्रभाव और डर दिखाने का था? इन सभी सवालों ने पूरे घटनाक्रम को और ज्यादा संदिग्ध बना दिया है।

पुलिस और सिस्टम पर उठ रहे सवाल–– वायरल ऑडियो ने केवल एक व्यक्ति की कथित दबंगई को उजागर नहीं किया, बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ऐसे लोग बार–बार सिस्टम के आसपास कैसे सक्रिय हो जाते हैं।अगर कोई व्यक्ति पहले भी फर्जी अधिकारी बनकर जेल जा चुका हो और फिर भी उसी अंदाज में प्रभाव दिखाता नजर आए, तो यह कानून व्यवस्था और निगरानी तंत्र दोनों पर बड़ा सवाल है। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल इस ऑडियो की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है, लेकिन मामला चर्चा का विषय बन चुका है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पुलिस और संबंधित विभाग इस वायरल ऑडियो की जांच कर सच्चाई सामने लाते हैं या नहीं।

योगी सरकार में बहू, बेटियां सुरक्षित नहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को रोकना लोकतंत्र का हननः कांग्रेस जिलाध्यक्ष

कुशीनगर। महोबा दलित छात्रा को बंधक बनाकर किया गया दुष्कर्म इस सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। पीड़िता के घर जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को रोक दिया जाना लोकतंत्र का हनन है। उक्त बातें कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार विश्वकर्मा उर्फ राधे ने लोनिवि कसया के विश्राम गृह में कही। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने कहा कि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री राय को महोबा जाने का विरोध भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा उनके विधायक और मंत्रियों ने किया और श्री राय की संपति की जांच की मांग कर रहे हैं। श्री राय का सार्वजनिक जीवन एक खुली किताब की तरह है। अभी दो दिन पूर्व आगरा नगर निगम ने दो दिन पूर्व टोरंटो कंपनी का कर्ज माफ किया है। इसी तरह भाजपा ने पूंजीपतियों का कर्जा माफ कर उनसे वसूली की है। कांग्रेस ने यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा की नीति काम लो, चंदा दो की है। ईडी, आयकर के छापों में वसूली की नीति भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण है। सरकार में अगर साहस है और भ्रष्टाचार को खत्म करना है तो सबसे पहले अपने विधायकों, सांसदों, मंत्रियों की संपति की जांच कराए। मिड डे मिल, अस्पताल की दवाएं, मनरेगा, विनिर्माण क्षेत्र हर जगह लूट है। आगे कहा कि सरकार के कथनी और करनी में अंतर है। अबतक इस सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं गया। जो गया उसके खिलाफ आंदोलन किया जाता है और लोकतंत्र की आवाज दबाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता राहुल गांधी लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं और संवैधानिक मूल्यों को लेकर देश में अलख जगा रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता एडवोकेट पंचानंद मिश्रा ने कहा कि दलित महिला के साथ दुष्कर्म किया गया है। जिसको लेकर भाजपा सरकार में थोड़ा भी शर्म नहीं है। इस सरकार में लोकतंत्र का चीर हरण हुआ है।

समाजसेवी सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय को सीडर ब्रुक यूनिवर्सिटी, यूएसए से मिला मानद डॉक्टरेट की उपाधि

कुशीनगर। जनपद के तमकुही राज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बसडिला पाण्डेय निवासी समाजसेवी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। सीडरब्रुक यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा श्री पाण्डेय को सामाजिक कार्य क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान समारोह आज 30 मई को नई दिल्ली में आयोजित रहा। समारोह में उनकी सुपुत्री एवं प्रसिद्ध पत्रकार सुश्री जयश्री सत्येन्द्र पाण्डेय भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय वर्ष 2004 से लगातार समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। आर्थिक, सामाजिक मदद, सांस्कृतिक, शिक्षा, चिकित्सा और खेलकूद जैसे विविध क्षेत्रों में उन्होंने ग्रामीण इलाकों में निरंतर कार्य किया है। वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ जनपद कुशीनगर के जिलाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। साथ ही वे ग्राम पंचायत बसडिला पाण्डेय की ग्राम प्रधान माधुरी पाण्डेय के प्रतिनिधि की भूमिका भी निभा रहे हैं। उनके प्रयासों से क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा के स्तर में सुधार हुआ है और युवाओं को खेलकूद की दिशा में भी प्रोत्साहन मिला है। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कुशीनगर के एक समाजसेवी को मिलने वाला यह सम्मान बसडिला पाण्डेय क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे कुशीनगर जनपद के लिए गौरव की बात है। इस प्रतिष्ठित उपाधि मिलने की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया है। इस उपलब्धि पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष लड्डू महाराज, फाजिलनगर ने हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि डॉ. सत्येन्द्र पाण्डेय का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उनके अथक प्रयासों से ही क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है।

पत्नी व दो बेटों के हत्यारे पिता को मृत्युदण्ड, फांसी की सजा

कुशीनगर। जिला एवं सत्र न्यायालय स्थान पडरौना द्वारा पत्नी व दो बेटे के जघन्य हत्या के आरोप में आरोपी पिता को मृत्यु दण्ड, फांसी की सजा सुनाते हुए तीन लाख रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। जिला एवं सत्र न्यायालय स्थान पडरौना संजीव कुमार त्यागी की अदालत ने कुशीनगर पुलिस द्वारा जनपद में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मुकदमों में निरन्तर प्रभावी पैरवी कर दोषी अभियुक्तों को सजा दिलाए जाने के क्रम में थाना तुर्कपट्टी पर पंजीकृत मु0 अ0 सं0– 218/2021 धारा 302 भादवि0 में दोषी अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल व जिला शासकीय अधिवक्ता, फौजदारी के द्वारा प्रभावी पैरवी व सार्थक कार्यवाही किया गया। जिसके फलस्वरुप जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा अभियुक्त राजेश गुप्ता पुत्र चन्नू गुप्ता सा0 किशुनदास पट्टी थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर के विरुद्ध जघन्य हत्या का पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अपराध सिद्ध करते हुए उपरोक्त अभियुक्त को मृत्युदण्ड, फांसी व तीन लाख रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक निरीक्षक आनन्द कुमार गुप्ता व निरीक्षक जयप्रकाश पाठक, जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी, जी0पी0 यादव, थानाध्यक्ष तुर्कपट्टी आलोक कुमार, थाना पैरवीकार का0 रणविजय सिंह, पैरोकार का0 वेद प्रकाश यादव की भूमिका सराहनीय रहा।

लोडर वाहन रोकने पर भड़के ट्रांसपोर्टर चालक, सीओ को सौंपा ज्ञापन

कुशीनगर। लोडर गाड़ी को पुलिस द्वारा बार–बार रोके जाने से परेशान ट्रांसपोर्टर चालकों ने सोमवार को सीओ तमकुहीराज को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में चालकों ने कहा है कि गढ़िया गिरी मोहरा क्षेत्र में वे लोडर वाहन चलाते हैं, लेकिन बिना परमिट के वाहन संचालन का हवाला देकर पुलिस धावा स्टैंड, हाईवे आदि स्थानों पर उनकी गाड़ी रोक लेती है। इससे उनका काम ठप हो रहा है और आर्थिक नुकसान हो रहा है। चालकों का कहना है कि वे समय–समय पर उत्तर प्रदेश सरकार को रोड टैक्स व अन्य शुल्क जमा करते हैं। उन्होंने सीओ से मांग की कि उनके वाहनों को आवश्यक परमिट देकर वैध किया जाए, ताकि उन्हें बेवजह परेशान न होना पड़े और भारी आर्थिक क्षति से बच सकें। ज्ञापन देने वालों में भूपेंद्र, आलोकेंद्र, राजेंद्र, संगीत, विश्वनाथ, दीपू, अवधेश शाह, नितेश कुमार सहित कई ट्रांसपोर्टर चालक शामिल रहे।

रसोइयों ने राज्य कर्मचारी दर्जा और वेतन वृद्धि की मांग उठाई, सौंपा ज्ञापन

कुशीनगर। राष्ट्रीय रसोइया कर्मचारी समिति जनपद इकाई कुशीनगर के बैनर तले रसोइयों ने अपने विभिन्न मांगों को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम जियावन मौर्य को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में रसोइयों ने राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, मानदेय बढ़ाने तथा नियमितीकरण की मांग की। समिति के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश कुशवाहा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयां मिड–डे मील योजना के तहत बच्चों के लिए भोजन तैयार करती हैं, लेकिन उन्हें बेहद कम मानदेय पर काम करना पड़ रहा है। वर्तमान महंगाई के दौर में 2000 रुपये प्रतिमाह मानदेय से परिवार का भरण–पोषण करना मुश्किल हो गया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कई विद्यालयों में रसोइयों से भोजन बनाने के अलावा झाड़ू लगवाने, शौचालय साफ कराने, बर्तन धुलवाने और अन्य अतिरिक्त कार्य भी कराए जाते हैं। इससे रसोइयों को मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समिति ने मांग किया है कि रसोइयों का मानदेय बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए, उन्हें नियमित करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाए तथा समय से मानदेय भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उनके साथ होने वाले शोषण और उत्पीड़न पर प्रभावी रोक लगाने की भी मांग की गई।ज्ञापन प्राप्त करने के बाद बीएसए राम जियावन मौर्य ने रसोइयों की मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान फेकनी, कलावती, रेनू देवी, ऊषा देवी, गुड़िया, गीता सहित बड़ी संख्या में रसोइया कर्मचारी मौजूद रहीं। सभी ने एक स्वर में अपनी लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।

बतरौली धुरखंडवा गांव में कागजी विकास की पोल खोल रही है कीचड़ से भरी सड़क

कुशीनगर। जनपद के दुदही विकास खंड के ग्राम सभा बतरौली धुरखंडवा में विकास के सरकारी दावों की हकीकत कीचड़ और गड्ढों में धंसी सड़कें बयां कर रही है। ग्रामीणों का आरोप है हल्की बारिश में ही गांव की सड़क बरसात में तालाब में तब्दील हो गई है। जगह–जगह पानी भरा है, गहरे कीचड़ो में पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रधान से लेकर सचिव तक भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। आम जनता जनप्रतिनिधियों को अपना वोट देकर सरकार बनाते हैं, लेकिन विकास सिर्फ कागजों पर होता है। धरातल पर सड़क की यह हालत है कि बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना भी जोखिम बन गया है ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए और ग्राम सभा में हुए विकास कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

योगी सरकार के आदेश बेअसर, 6 साल से टूटा पड़ा है नोनिया पट्टी की सड़क, बरसात में बन जाता है तालाब

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहतर सड़क निर्माण के तमाम निर्देशों के बावजूद कुशीनगर जिले में सड़कों की हालत जस की तस बनी हुई है। पडरौना रेलवे स्टेशन के पूर्वी बाईपास स्थित नोनिया पट्टी रेलवे सड़क पिछले 6 साल से गहरे गड्ढों में तब्दील है, लेकिन जिम्मेदारों का ध्यान अब तक इस ओर नहीं गया है। पडरौना नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 8, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर यानी नोनिया पट्टी की यह सड़क बरसात आते ही पोखरे में तब्दील हो जाता है। आने–जाने वाले राहगीर अक्सर फिसलकर दुर्घटना का शिकार होते हैं, फिर भी मरम्मत की कोई सुध नहीं ली गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इसी रास्ते से रोज आते–जाते हैं, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर किसी ने पहल नहीं की। यह सड़क नहीं, मौत का रास्ता बन गई है। बरसात में पता ही नहीं चलता कहां गड्ढा है, कहां सड़क। कई बार लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। एक स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क की जर्जर हालत से न केवल आम नागरिक परेशान हैं, बल्कि स्कूली बच्चों और मरीजों को भी रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग किया है कि योगी सरकार के आदेशों को जमीन पर उतारते हुए नोनिया पट्टी सड़क का तत्काल निर्माण कराया जाए।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से संविदा लाइनमैन गंभीर रूप से झुलसा

कुशीनगर। जनपद के हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के लोहरिया गांव में बिजली मरम्मत कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की हाइटेंशन लाइन पर काम कर रहे संविदा लाइनमैन करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार लोहरिया गांव निवासी सत्यनारायण पुत्र परदेसी संविदा लाइनमैन के रूप में कार्य करता है। बताया जा रहा है कि बिजली लाइन के मरम्मत कार्य के लिए शट–डाउन लिया गया था। इसी दौरान लाइन पर अचानक करंट दौड़ गया, जिससे सत्यनारायण गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, जिसके चलते घायल लाइनमैन को निजी वाहन से गोरखपुर ले जाना पड़ा। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि शट–डाउन होने के बावजूद 11 हजार वोल्ट की लाइन में करंट कैसे आ गया। मामले को लेकर विभागीय लापरवाही की चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

राज्य स्तरीय जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता का शानदार आगाज, उद्घाटन मुकाबले में हिंडालको विजयी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेणुकूट नगर के हिंडालको मैदान में शुक्रवार शाम से तीन दिवसीय "श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता" का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन हिंडालको स्पोर्ट्स काउंसिल एवं जिला हैंडबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 मई तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश की आठ प्रमुख जूनियर हैंडबॉल टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, बस्ती, अयोध्या तथा मेजबान सोनभद्र (हिंडालको) की टीम शामिल हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन हिंडालको के सीईओ समीर नायक ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मैदान में मुलाकात कर उनका परिचय प्राप्त किया और खेल भावना के साथ उत्.ष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं तथा ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। उद्घाटन मुकाबला मेजबान हिंडालको और बस्ती के बीच खेला गया। इस मुकाबले में हिंडालको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बस्ती को 18–08 से पराजित किया। हिंडालको की ओर से अमित और राजू ने पांच–पांच गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शाम के सत्र में कुल चार मुकाबले खेले गए। पहले मैच में हिंडालको ने बस्ती को 18–08 से हराया। दूसरे मैच में लखनऊ ने अयोध्या को 24–08 के बड़े अंतर से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में गोरखपुर ने वाराणसी को 16–14 से हराया। दिन के अंतिम मैच में आजमगढ़ ने प्रयागराज को 17–09 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता के मैचों का संचालन पंकज यादव, अतुल सिंह, विवेक सिंह एवं अमरजीत ने किया, जबकि टेबल अधिकारियों की भूमिका में अनीश, संजय सिन्हा और अनिमेष रहे। इस अवसर पर एचआर हेड अजय कुमार सिन्हा, यशवंत सिंह, विनोद सिंह, संजय सिंह, आशीष सिन्हा सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के आगामी दिनों में भी रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है।

बरसात से पहले नालों की सफाई हर हाल में पूर्ण करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में उपलब्ध बजट के सापेक्ष कराए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकायों में संचालित विभिन्न परियोजनाओं, स्वच्छता व्यवस्था एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी मानसून को .ष्टिगत रखते हुए नगर क्षेत्रों के सभी नालों की सफाई बरसात से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि नगर पंचायत क्षेत्रों में आगामी एक सप्ताह तक प्रतिदिन प्रातः 07:00 बजे से विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जाए तथा उसकी दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई एवं स्वच्छता कार्यों की प्रगति की समीक्षा वीडियो कॉल के माध्यम से भी की जाएगी। उन्होंने 15वें एवं 16वें वित्त आयोग की धनराशि से कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता के उच्च मानकों के अनुरूप एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराए जाएं, जिससे आमजन को उनका लाभ मिल सके। बैठक में धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के सौन्दर्यीकरण कार्यों की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सौन्दर्यीकरण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं, जिससे धार्मिक स्थलों की गरिमा एवं आकर्षण में वृद्धि हो। जिलाधिकारी ने नगर पालिका क्षेत्र में एक आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ एवं सूखा राहत की तैयारियों में कोई कमी न रहे, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाएं जनजागरूकता: जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में संभावित बाढ़ एवं सूखा राहत से संबंधित तैयारियों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आपदा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन–धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग एवं जिला पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में प्रतिवर्ष बाढ़ की आशंका बनी रहती है, वहां विशेष चौपालों का आयोजन कर ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव, राहत एवं पुनर्वास संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सतर्क एवं सजग बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि तालाबों, पोखरों, बंधियों तथा अन्य जलाशयों में डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी संबंधी साइनेज बोर्ड तत्काल लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि निरीक्षण के दौरान ऐसे स्थलों पर साइनेज बोर्ड नहीं पाए गए तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार बाढ़ से पूर्व सभी विभाग अपनी तैयारियां पूरी कर लें तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील गांवों के व्हाट्सएप समूह बनाकर त्वरित सूचना तंत्र विकसित किया जाए, जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सूचना का आदान–प्रदान हो सके। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ से बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए, ताकि समाज में जागरूकता का व्यापक प्रसार हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज राय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्री अजय कुमार मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खड़ी कार में बाइक टकराई 2 घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला चौकी क्षेत्र अंतर्गत बाड़ी स्थित ओवर ब्रिज के समीप सड़क किनारे खड़ी कार में टकराकर मोटरसाइकिल सवार सवार दो युवक गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात्रि लगभग नौ बजे रेणूकोट रोड पर बाडी स्थित ओवर ब्रिज पर एक कार सड़क के किनारे पहले से ही खडी थी, खडी कार में अनियंत्रित बाईक सवार ने पिछे से टक्कर मार दीया, टक्कर इतनी तेज थी मोटरसाइकिल सवार रामकुमार पुत्र विश्वनाथ निवासी रेक्सहंवा डाला व पिंटू यादव पुत्र बचाऊ यादव निवासी गुरुण चकाडी थाना जुगैल गंभीर रूप से घायल हो गए,दुर्घटना के बाद आसपास की मदद से सड़क के किनारे लाकर सूचना डाला पुलिस और पीआरवी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पीआरबी पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन ले जाया गया, जहाँ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रोबोटिक तकनीक से टॉन्सिल कैंसर का सफल उपचार, मैक्स अस्पताल लखनऊ में बिना बाहरी कट हुई सर्जरी

लखनऊ, । कैंसर उपचार में आधुनिक तकनीक के बढ़ते उपयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण सामने आया है। लखनऊ स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्टेज–2 टॉन्सिल कैंसर से पीड़ित 35 वर्षीय मरीज का ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) के माध्यम से सफल उपचार किया गया। अत्याधुनिक रोबोटिक प्रक्रिया के जरिए बिना किसी बाहरी कट, बिना दिखाई देने वाले निशान और कम रिकवरी समय में ट्यूमर को सटीक तरीके से हटाया गया।बहराइच निवासी शकील अहमद पिछले कई सप्ताह से लगातार गले में दर्द और निगलने में परेशानी से जूझ रहे थे। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य संक्रमण समझकर अनदेखा किया, लेकिन समस्या बढ़ने और दैनिक कार्यों के साथ खानपान में बाधा उत्पन्न होने पर उन्होंने चिकित्सकीय परामर्श लिया।मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में विस्तृत जांच और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद शकील अहमद को स्टेज–2 टॉन्सिल कैंसर होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों के अनुसार टॉन्सिल कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर का एक प्रकार है, जिसका समय पर उपचार न होने पर बोलने, निगलने और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।मरीज का उपचार सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. कमलेश वर्मा और उनकी बहु–विषयक कैंसर विशेषज्ञ टीम की देखरेख में किया गया। ट्यूमर की स्थिति और कैंसर की अवस्था को देखते हुए विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक दा विंची सर्जिकल सिस्टम की सहायता से ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया के तहत गर्दन के लिम्फ नोड्स को छोटे चीरे के माध्यम से हटाया गया, जबकि टॉन्सिल ट्यूमर को रोबोटिक तकनीक से निकाला गया। इससे शरीर पर बहुत कम निशान रहे और मरीज की रिकवरी अपेक्षाकृत तेज रही।डॉ. कमलेश वर्मा ने बताया कि ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी हेड एंड नेक कैंसर के उपचार में एक बड़ी प्रगति मानी जा रही है। उनके अनुसार कुछ चुनिंदा मरीजों में यह तकनीक लंबे समय तक चलने वाली कीमोथेरेपी अथवा रेडिएशन थेरेपी की आवश्यकता को काफी हद तक कम कर सकती है और कुछ मामलों में इससे बचाव भी संभव है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें चेहरे पर किसी प्रकार का बाहरी कट या दिखाई देने वाला निशान नहीं रहता, जिससे मरीज तेजी से सामान्य जीवन में लौट पाते हैं और उनकी जीवन गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार इस न्यूनतम हस्तक्षेप वाली तकनीक से शरीर के ऊतकों को कम नुकसान पहुंचा, ऑपरेशन के बाद दर्द कम रहा तथा रिकवरी का समय भी काफी घट गया। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक रही और वह तीन से चार दिनों के भीतर स्थिर हो गए। कुछ समय बाद उन्होंने सामान्य रूप से भोजन लेना भी शुरू कर दिया तथा रिकवरी के दौरान उन्हें अपेक्षाकृत कम परेशानी का सामना करना पड़ा।विशेषज्ञों का कहना है कि हेड एंड नेक कैंसर, जिसमें टॉन्सिल कैंसर भी शामिल है, अब कम उम्र के लोगों में भी तेजी से सामने आ रहा है। तंबाकू सेवन, धूम्रपान, मदिरा सेवन और एचपीवी संक्रमण इसके प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि लगातार गले में दर्द, निगलने में परेशानी, आवाज में बदलाव या गर्दन में बिना कारण सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और समय रहते जांच करानी चाहिए।अस्पताल का कहना है कि रोबोटिक सहायता प्राप्त कैंसर सर्जरी के सफल उपयोग के साथ लखनऊ में उन्नत कैंसर उपचार सेवाओं को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और प्रभावी परिणाम मिल सकें।

मानक के विपरित धड़ल्ले से चल रहे प्राइवेट अस्पताल : अविनाश कुशवाहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में मानक के विपरित धड़ल्ले से प्राइवेट अस्पताल संचालित किये जा रहे हैं सपा के पूर्व सदर विधायक अविनाश कुशवाहा ने कहा आये दिन अप्रशिक्षित डाक्टरों के इलाज से प्रसूताओं की मौत हो रही उन्होंने यह भी कहा कि अबैध अस्पताल संचालन में सफेदपोशों व विभाग का संरक्षण प्राप्त है जिलाधिकारी से जांच व कार्रवाई की मांग की।

मोहान रोड स्थित अभिनन्दन रिसॉर्ट में राधाकृष्ण मंदिर की तृतीय देव स्थापना, विशाल भजन संध्या का आयोजन

लखनऊ। राजधानी के मोहान रोड स्थित अभिनन्दन रिसॉर्ट में राधाकृष्ण मंदिर की तृतीय देव स्थापना एवं विशाल भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक एवं राजनीतिक हस्तियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा–अर्चना की तथा प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के मुख्य यजमान राम गोपाल कनौजिया एवं उनकी पत्नी रहीं। आयोजन का संयोजन समाजवादी पार्टी के मलिहाबाद विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया, निवर्तमान पार्षद मोनू कनौजिया और अधिवक्ता संजय कनौजिया ने समस्त कनौजिया परिवार एवं मित्रों के सहयोग से किया।आयोजकों के अनुसार देव स्थापना के अवसर पर विधि–विधान से पूजा–अर्चना संपन्न कराई गई। इसके उपरांत विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने भक्तिमय प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने राधाकृष्ण विग्रह की पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, वरिष्ठ नेता जितेंद्र यादव 'जीतू' अधिवक्ता, लखनऊ बार एसोसिएशन के महामंत्री, राजेश कनौजिया अधिवक्ता, वरिष्ठ पत्रकार मधुकर त्रिवेदी, पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व महिला सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, पूर्व विधायक रेहान नईम, पूर्व विधायक अम्बरीश पुष्कर, यूथ ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक और क्षेत्रीय हस्तियां उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने राधाकृष्ण मंदिर में दर्शन कर पूजा–अर्चना की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं।

गोमतीनगर में युवक की हत्या का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,। अपराध शाखा, स्वाट्ध्सर्विलांस टीम (पूर्वी) और विभूतिखण्ड थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार 25 और 26 मई 2026 की रात लखनऊ पब्लिक स्कूल, विनम्रखंड गोमतीनगर के पास कुछ लोगों ने एक युवक को पत्थर से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था और मौके से फरार हो गए थे। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इस मामले में 27 मई 2026 को अयोध्या निवासी सौरभ सिंह की तहरीर पर विभूतिखण्ड थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उनके भाई शिवम सिंह उर्फ शिव स्वयं सिंह (30) के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। बाद में उपचार के दौरान शिवम सिंह की मृत्यु हो गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक, विवेक सिंह तथा अनुज सिंह के नाम प्रकाश में आए।संयुक्त पुलिस टीम ने पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर 29 मई को शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक और विवेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने घटना स्थल से हत्या में प्रयुक्त पत्थर बरामद किया। वहीं फरार आरोपी अनुज सिंह की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं तथा घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों में शान्तनु उर्फ अंकित रावत निवासी डालीगंज क्रासिंग, थाना अलीगंज, हनी तिवारी उर्फ विवेक निवासी सेक्टर–बी अलीगंज तथा विवेक सिंह निवासी थाना बरदह, जनपद आजमगढ़ शामिल हैं। पुलिस के अनुसार शान्तनु और हनी तिवारी के खिलाफ पूर्व में भी लूट, हत्या के प्रयास, रंगदारी, गैंगस्टर और शस्त्र अधिनियम समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने बताया कि मामले में धारा 115(2), 109(1) और 103(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी और अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

फर्जी दस्तावेजों से पैतृक भूमि हड़पने के षड्यंत्र का खुलासा, दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये मूल्य की पैतृक भूमि हड़पने के कथित षड्यंत्र में शामिल दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।पुलिस के अनुसार 11 दिसंबर 2025 को ख्यालीगंज, कैसरबाग निवासी समीर मिर्जा की शिकायत पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम अमेठी, तहसील मोहनलालगंज स्थित उनकी पैतृक भूमि पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध दावा प्रस्तुत करते हुए कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद फरीद मिर्जा ने स्वयं को वादी के दिवंगत चाचा खुसरू मिर्जा का वारिस दिखाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। आरोप है कि इसके लिए उसने वास्तविक पारिवारिक विवरण छिपाकर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज तैयार कर न्यायालय और अन्य मंचों पर प्रस्तुत किए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी जीवित मां को मृत दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया और कथित दफन से संबंधित भ्रामक दस्तावेजों का भी उपयोग किया।पुलिस के अनुसार संबंधित विभागों और संस्थाओं से प्राप्त रिपोर्ट में इन अभिलेखों के फर्जी और कूटरचित होने की पुष्टि हुई है। साक्ष्य संकलन के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि कथित षड्यंत्र में कई अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही। आरोपियों ने स्वयं को वादी पक्ष का रिश्तेदार बताकर संपत्ति पर दावा मजबूत करने का प्रयास किया तथा भूमि विक्रय अनुबंधों से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों में हस्तांतरित की गई।प्रकरण में पूर्व में मोहम्मद फरीद मिर्जा, मोहम्मद अशफाक मिर्जा उर्फ बाबू मियां और कलीम खां को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं फरार चल रहे फुरकान अहमद अब्बासी और अभिषेक यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में 29 मई 2026 को मोहनलालगंज थाना पुलिस ने बारादरी चौराहा, कैसरबाग के पास दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फुरकान अहमद अब्बासी निवासी कस्बा अमेठी, थाना गोसाईगंज और अभिषेक यादव निवासी मुंशीगंज, कस्बा अमेठी, थाना गोसाईगंज के रूप में हुई है। दोनों प्रॉपर्टी डीलर बताए जा रहे हैं।पुलिस ने बताया कि पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय परिसर में हादसा, लोहे का गेट गिरने से बालक की मौत

लखनऊ। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग परिसर में संचालित बचपन डे–केयर दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय भवन में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। विद्यालय परिसर में लगा लोहे का गेट अचानक गिरने से उसकी चपेट में आए आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 09रू00 बजे से 09रू30 बजे के बीच घटना की सूचना मिली। प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि राहुल कश्यप, जो जेबीटीसी कैम्पस में निवास करते हैं और रिक्शा चलाने का कार्य करते हैं, का भांजा शिवा कश्यप अपने मामा के यहां आया हुआ था। शिवा कश्यप की उम्र लगभग आठ वर्ष बताई गई है।बताया गया कि बालक विद्यालय परिसर में लगे झूले पर झूलने गया था। इसी दौरान भवन परिसर से बाहर निकलते समय वहां लगा लोहे का गेट अचानक गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही महानगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बालक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के साथ अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

गवर्नर में आर्थिक संकट की कहानी, ट्रेलर में मनोज बाजपेयी के किरदार ने खींचा लोगों का ध्यान

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म गवर्नर इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। मंगलवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह फिल्म भारत के इतिहास के उस कठिन दौर को दिखाती है, जब देश 1990 के दशक में गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उस समय भारत की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि देश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था। ट्रेलर में डर, तनाव और देश को बचाने की कोशिशों को बेहद गंभीर अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया जाता है कि देश की गिरती अर्थव्यवस्था को लेकर आम जनता में गुस्सा और बेचैनी है। लोग सरकार और आर्थिक हालात को लेकर चिंतित हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देश को आर्थिक रूप से टूटने से कैसे बचाया जाए। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि सरकार और बड़े अधिकारियों को कुछ कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। कहानी भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक पर आधारित है। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। उनका किरदार देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को संभालने और भारत को संकट से बाहर निकालने की कोशिश करता दिखाई देगा। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी का गंभीर और शांत अंदाज दर्शकों को काफी पंसद आ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में मनोज बाजपेयी का किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमनण से प्रेरित हो सकता है। वह 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई के गवर्नर थे और उस समय देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने में उनकी अहम भूमिका मानी जाती है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं की है कि कहानी पूरी तरह उन्हीं पर आधारित है। फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रही है। इसे विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। फिल्म के सह–निर्माता आशिन ए. शाह हैं। कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। फिल्म के संगीत पर भी खास ध्यान दिया गया है। इसके गानों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं, जबकि संगीत अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है। ट्रेलर में बैकग्राउंड म्यूजिक भी कहानी के तनाव और गंभीर माहौल को मजबूत बनाता दिखाई देता है। फिल्म गवर्नर 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लास्ट में अब्राहम बने नजर आएंगे अर्जुन चिदंबरम, फैमिली एंटरटेनर फिल्म को लेकर बढ़ा उत्साह

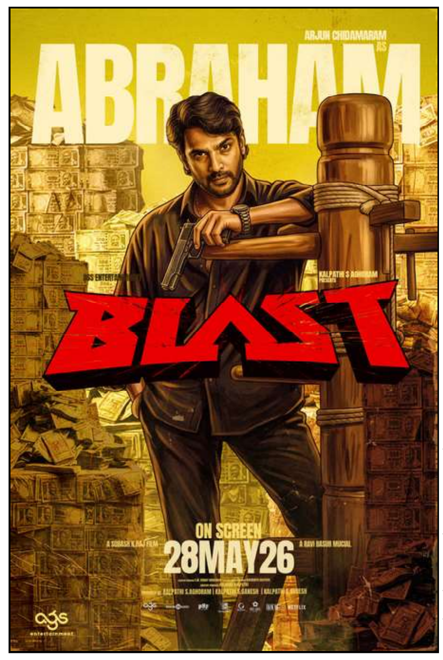

फिल्म निर्देशक सुभाष के राज की आने वाली फिल्म ब्लास्ट लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने खुलासा किया है कि अभिनेता अर्जुन चिदंबरम फिल्म में अब्राहम नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में अर्जुन सरजा, प्रीति मुखुनधन और अभिरामी दिखाई देंगे। अब अर्जुन चिदंबरम के किरदार की जानकारी सामने आने के बाद फैंस फिल्म की कहानी को लेकर और ज्यादा उत्साहित हैं। अभी उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि फिल्म में उनकी भूमिका काफी अहम होने वाली है। फिल्म का निर्माण कर रही एजीएस एंटरटेनमेंट ने एक्स टाइमलाइन पर लिखा, ब्लास्ट की दुनिया में अब्राहम से मिलिए। इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट और पूरी टीम को भी टैग किया गया। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट 28 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को सेंसर बोर्ड से यूए सर्टिफिकेट मिल चुका है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म में एक्शन, इमोशन और मनोरंजन का पूरा पैकेज देखने को मिलेगा, जो हर उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा। यह फिल्म परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती है। फरवरी में मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उस दौरान एजीएस एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें फिल्म के बीटीएस पल दिखाए गए थे। वीडियो में फिल्म की पूरी टीम शूटिंग खत्म होने की खुशी मनाती नजर आई थी। वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था कि फिल्म अब पूरी तरह तैयार है और हमें बेसब्री से इंतजार है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें। फिल्म की एक और खास बात इसका संगीत है। मशहूर संगीत निर्देशक रवि बसरूर इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। रवि बसरूर को खास तौर पर केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के दमदार संगीत के लिए जाना जाता है।

ज्यादा गुस्सा क्यों आता है

क्या आप भी इन दिनों छोटी–छोटी बातों पर झुंझला जाते हैं, मूड बिगड़ जाता है, दिमाग काम नहीं करता। ये सारे सीजनल अफेक्टिव डिसआर्डर के लक्षण हैं, गर्मी के दिनों में ऐसा ज्यादातर लोगों के साथ हो रहा है। चलिए जानते हैं कि इसके पीछे क्या

है मनोवैज्ञानिक कारण और कैसे रखें खुद को शांत। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गर्मी में जब बाहर का तापमान अत्यधिक हो जाता है, तब व्यक्ति का केवल शरीर ही नहीं, दिमाग और मन भी गर्म हो जाता है। इसे सीजनल अफेक्टिव डिसआर्डर कहते हैं। इस दौरान व्यक्ति चिड़चिड़ा, गुस्सैल हो जाता है। हर छोटी बात पर खुद पर नियंत्रण खो बैठता है। उसे खुद समझ नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। इस समस्या पर कई तरह के शोध हुए हैं और उसमें यही सामने आया है कि गर्मी के मौसम में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, नतीजा एक्सीडेंट्स, रोडरेज की घटनाएं बढ़ने लगती हैं, लोग अपना धैर्य खो बैठते हैं और फिर रिश्तों में खटास आती है।

पानी और आक्सीजन की कमी

जैसे अगर गर्मी के मौसम में पारा 45 के पार पहुंचता है, लू के थपेड़े मुंह को जलाते हैं, तो सबसे पहले शरीर में पानी और आक्सीजन का स्तर कम होने लगता है। डिहाइड्रेशन की वजह से दिमाग जल्दी गर्म हो जाता है। जब शरीर डिहाइड्रेट होगा तो दिमाग भी अपने सोचने–समझने की शक्ति खोने लगता है।

नींद कम होना: गर्मी के दिनों में आप कितनी भी कोशिश कर लें, लेकिन नींद पूरी नहीं हो पाती है। अगर हम सूरज के उगने और डूबने के समय अनुसार देखें, तो शाम देर से होती है और सुबह जल्दी होती है। ऐसे में जिनको देर से सोने की आदत है वे सूरज की रोशनी से जल्दी उठ जाते हैं और उनकी नींद अधूरी रह जाती है। जिससे उनका पूरा दिन चिड़चिड़ाहट में गुजरता है।

कोर्टिसोल स्तर का बढ़ना: कोर्टिसोल तनाव वाला हार्मोन है, जो गर्मी के मौसम में और बढ़ने लगता है। इसकी वजह से व्यक्ति हर छोटी बात पर तनाव में आ जाता है। उसे बहुत जल्दी गुस्सा आने लगता है और दिमाग संतुलन खो बैठता है।

शारीरिक समस्याएं: ऐसा नहीं है कि सीजन का असर केवल मन पर होता है, बल्कि गर्मी में सिर दर्द, दिल की धडकन तेज होना और माइग्रेन जैसी समस्याएं भी आम हो जाती हैं।

कैसे रहें शांत: विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे मौसम में शांत कैसे रहा जाए, उसकी सलाह देता है। जैसे अगर आपको किसी पर बहुत तेज गुस्सा आ रहा है, लडने का मन कर रहा है, तो सबसे पहले खुद को शांत करके उस जगह या इनसान से दूर चले जाएं, ताकि झगड़ा होने की गुंजाइश खत्म हो जाए। उसके बाद एक गिलास ठंडा पानी पिएं। जिससे दिमाग तक आक्सीजन और पानी पहुंचे और मन शांत हो जाए।

गहरी लंबी सांसों का अभ्यास: जब भी किसी के साथ तनाव की कोई स्थिति पैदा होती है, तो पांच मिनट तक गहरी लंबी सांसों का अभ्यास करें। भले ही आप आफिस में हैं या बाजार में या फिर ट्रैफिक सिग्नल पर, आप कहीं पर भी ब्रीदिंग कर सकते हैं। इससे दिमाग को शांत रहने का संकेत पहुंचता है और तनाव वाला हार्मोन कम होने लगता है। सुबह और शाम ध्यान जरूर करें और प्रकृति के बीच जाकर एक वाक लें। तेल मसाले और जंक फूड से दूरी बनाकर रखें। हो सके तो ठंडी जगह पर रहें और खुली हवा में सांस लें। एक्सपर्ट का कहना है कि अत्यधिक तापमान में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, बेचैनी, नींद की समस्या, उदासी और आक्रामक व्यवहार बढ़ सकते हैं। उत्तर भारत में जब तापमान 40–45 डिग्री तक पहुंचता है, तो इसका असर स्पष्ट दिखने लगता है। गर्मी में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है, जितनी शरीर की। थोड़ी सावधानी, पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और समय पर मदद से गर्मी का मौसम भी सुरक्षित और संतुलित तरीके से बिताया जा सकता है।

बेड से जुड़ी ये गलतियां रोक सकती हैं आपकी सफलता, तुरंत बदलें सोने की दिशा

क्या आप जानते हैं कि सोने की दिशा और सोने का तरीका व्यक्ति के जीवन को कई तरह से प्रभावित कर सकता है। क्योंकि सोने का तरीका न सिर्फ आपकी सेहत बल्कि आपकी सफलता में भी बाधा बन सकता है। वास्तु शास्त्र में सोने की सही दिशा और सोने का सही तरीका बताया गया है। जिसको अपनाकर आप जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक आपका बेड आपकी सक्सेस का रास्ता रोक सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सोने के लिए सही दिशा और तरीका क्या है।

सोने की सही दिशा– वास्तु शास्त्र के मुताबिक सोने के लिए दक्षिण दिशा को सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा में सिर करके सोने से स्थिरता आती है। साथ ही आर्थिक मामलों में तरक्की मिलने लगती है। वहीं दक्षिण दिशा में सिर करके सोने से अच्छी और गहरी नींद आती है।

स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए सोने की सबसे अच्छी दिशा पूर्व दिशा मानी जाती है। इस दिशा में सिर करके सोने से एकाग्रता और याददाश्त तेज होती है। वहीं करियर में भी नए मौके मिलते हैं।

बेड की सही पॉजिशन– बेड का सही दिशा में होना जरूरी होता है। क्योंकि बेड की सही दिशा आपकी सफलता का रास्ता खोल सकता है।

घर का मास्टर बेडरूम दक्षिण–पश्चिम दिशा में होना चाहिए। ऐसा होने से घर के सदस्यों को सफलता मिलने लगती है।

बेड को दीवार के बीच में रखना चाहिए। जिससे कि दोनों ओर से ऊर्जा का प्रवाह हो सके। कभी भी उत्तर दिशा की ओर सिर करके नहीं सोना चाहिए। क्योंकि यह मेगनेटिक फिल्ड को डिस्टर्ब कर सकता है। इस तरह से सोने से आपको आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कभी भी बीम के नीचे बेड नहीं रखना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से करियर में प्रेशर और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वास्तु के मुताबिक कमरे के अंदर बेड के सामने मिरर नहीं होना चाहिए। यह निगेटिव एनर्जी को बढ़ाता है और तनाव की वजह बन सकता है।

बेड के नीचे कूड़ा–कचरा नहीं होना चाहिए, इससे तनाव ज्यादा बढ़ सकता है। बेडरूम में लकड़ी के बेड को रखना चाहिए। लकड़ी का बेड घर में सकारात्मकता आती है और पॉजिटिविटी के लिए भी अच्छा होता है। कमरे के अंदर लोहे का बेड नहीं रखना चाहिए। इस बेड को रखने से घर में निगेटिविटी आती है। बेड की शेप कैसी होनी चाहिए– बेड की शेप हमेशा चतुर्भुज शेप का होना चाहिए। कमरे के अंदर गोल बेड नहीं होना चाहिए, क्योंकि इस तरह का बेड आपके जीवन में अस्थिरता ला सकता है। शादीशुदा लोगों को अपने बेड पर सिंगल मेट्रेस लगाना चाहिए। कभी भी दो अलग–अलग मेट्रेस नहीं लगाना चाहिए। इसलिए बेड पर सिर्फ एक सिंगल मेट्रेस रखें। अगर आप भी सफलता चाहते हैं, तो इसलिए लिए कमरे में हल्के रंग की चादर का इस्तेमाल करना चाहिए। कमरे के एकदम सामने अपना बेड नहीं रखना चाहिए। जब आप बेड पर लेटे हों, तो पैर सीधे गेट की ओर नहीं होना चाहिए।

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज, आम लोगों की बहादुरी को किया सलाम

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें कई अनदेखे नायकों को सम्मान दिया गया है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल द अनसीन हीरोज रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा–तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, भारत भाग्य विधाता उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।

कंगना ने आगे कहा, इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है। फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक–दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद–ब–खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। भारत भाग्य विधाता उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं। फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा, आज के दौर में फिल्मों में गोलीबारी, धमाके और हिंसा दिखाना आसान है लेकिन खामोश बहादुरी को पर्दे पर उतारना सबसे मुश्किल काम होता है। फिल्म में उन छोटे–छोटे पलों को पकड़ने की कोशिश की गई है, जब एक साधारण इंसान अपने डर को पीछे छोड़कर दूसरों की रक्षा करने का फैसला करता है। फिल्म में कंगना रनौत के अलावा गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका आघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। भारत भाग्य विधाता को डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स, परमहंस क्रिएशंस, यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर किया है। फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।